आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 79 | उज्जैन, रविवार 09 फरवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

उज्जैन सिंहस्थ 2028 के भव्य आयोजन के संकल्प के साथ आया हूं प्रयागराज-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों की ओर से पवित्र संगम में लगाई आस्था की डुबकी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि महाकुंभ सनातन संस्कृति का गौरवशाली उत्सव है। विशेष ग्रह नक्षत्रों के शुभ संयोग में होने वाले महाकुंभ में सभी की आस्था का प्रकटीकरण होता है। साथ ही साधु-संतों के सान्निध्य में आत्मिक और आध्यात्मिक उन्नति का अवसर भी प्राप्त होता है। भारत वर्ष में प्रत्येक 12 वर्ष में अलग-अलग चार नगरों में होने वाले कुंभ में स्नान का अवसर कई जन्मों के पुण्य से प्राप्त होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रयागराज के महाकुंभ में पधारे श्रद्धालुओं को इस सौभाग्य के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि वे

उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ 2028 के दिव्य और भव्य आयोजन की तैयारी के संकल्प के साथ प्रयागराज आए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पवित्र संगम में डुबकी लगाने के बाद प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रयागराज महाकुंभ में स्नान के बाद कहा कि माँ गंगा, जमुना और सरस्वती की कृपा है, संगम का किनारा है। प्रयागराज सभी तीर्थों का राजा है। यहां आज कुंभ स्नान का जो आनंद आया है वह कई जन्मों के पुण्य के बाद प्राप्त होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माँ गंगा, यमुना और सरस्वती का प्रवाह अनंत काल तक निर्बाध रहे, सबका मंगल एवं कल्याण हो, ऐसी कामना करता हूँ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रयागराज महाकुंभ के सफल आयोजन के लिए उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं राज्य सरकार को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आशीर्वाद से उत्तरप्रदेश सरकार ने इस भव्य महाकुंभ का कुशलता से आयोजन किया है।

कौशल विकास की 3 स्कीमों का एलान, 8800 करोड़ खर्च करने का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवाओं को पढ़ाई के साथ रोजगार से जोड़ने में जुटी केंद्र सरकार अब उन्हें भविष्य की जरूरत के हिसाब से तैयार करेगी और उनका कौशल विकास भी होगा। इसके लिए सरकार ने कौशल विकास की पहले से चल रही तीन स्कीमों के नए चरण का एलान किया है। जिस पर कुल 88 सौ करोड़ रुपए खर्च होंगे। इनमें सबसे अधिक छह हजार करोड़ अकेले कौशल विकास योजना 4.0 पर खर्च होंगे।

सरकार ने इसके साथ ही 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य को देखते हुए कौशल विकास की मैपिंग करने के लिए एक मास्टर प्लान तैयार करने को भी मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में शुक्रवार को हुई कैबिनेट की बैठक में पिछले सालों में कौशल विकास को लेकर उठाए गए कदमों पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इसके साथ ही नेशनल अप्रेटिंसशिप प्रोग्राम को रफ्तार देने की मंजूरी दी गई है। जिस पर 1942 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसी तरह पिछले क्षेत्रों में स्किल से जुड़े कार्यक्रमों को संचालित करने के लिए जन शिक्षण संस्थान को 858 करोड़ रुपये की राशि दी गई है।

साइबर अपराधों पर लगेगी लगाम, RBI लेने जा रहा बड़ा फैसला; आप पर क्या होगा असर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। साइबर ठगी और अपराध को रोकने के लिए आरबीआई ने सभी बैंकों के लिए अलग से डोमेन लाने का फैसला किया है। शुक्रवार को आरबीआई के गवर्नर संजय अग्रवाल ने कहा कि बढ़ता साइबर अपराध चिंता का विषय है और इस प्रकार के अपराध को रोकने के लिए बैंकडाटइन नामक डोमेन लॉन्च किया जा रहा है।

दरअसल, बैंकडाटइन डोमेन का इस्तेमाल सिर्फ भारतीय बैंक ही कर सकेंगे। इस सुविधा की शुरुआत इस साल अप्रैल से की जा रही है। सिर्फ बैंक की तरफ से ही इस डोमेन का इस्तेमाल करने से ग्राहकों को बैंकों के मेल या मैसेज को पहचानने में आसानी होगी। अभी ग्राहकों इस बात को लेकर असमंजस में रहते हैं कि कौन से असली लिंक है या कौन से नकली।

बता दें कि अभी साइबर अपराधी किसी बैंक के डोमेन आईडी में अति सूक्ष्म फेरबदल कर नकली आईडी बना देते हैं। कई बैंक डॉटकोडॉटइन का इस्तेमाल करते हैं तो कुछ बैंक डॉटकॉम डोमेन तो कुछ डॉटइन का इस्तेमाल करते हैं।

अपनी राय बताए बिना विधेयकों को नहीं रोक सकते राज्यपाल, तमिलनाडु सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने और क्या कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि अगर राज्यपाल राज्य सरकार को अपनी राय बताए बिना विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर अपनी सहमति नहीं देते हैं तो इससे गतिरोध पैदा हो सकता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि केंद्रीय कानून के खिलाफ होने के आधार पर अपनी राय बताए बिना विधेयकों को को दबाए नहीं रख सकते।

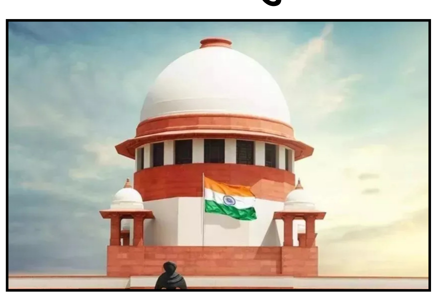

अगर राज्यपाल को प्रथम दृष्ट्या लगता है कि विधेयक में असहमति है तो क्या उन्हें इसे राज्य सरकार के संज्ञान में नहीं लाना चाहिए? सरकार से यह कैसे उम्मीद की जा सकती है कि वह राज्यपाल के मन में क्या है, यह जान सके?

सुप्रीम कोर्ट ने किए कई सवाल- तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा विधेयकों को लंबे समय तक लटकाए रखने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कई सवाल किए। कोर्ट ने राज्यपाल की ओर से पक्ष रख रहे अटार्नी जनरल आर. वेंकटरमणी से पूछा कि क्या राज्यपाल विधेयकों पर सहमति रोके रखने के बाद उन विधेयकों को राष्ट्रपति के पास भेज सकते हैं?

कोर्ट ने कहा कि अगर राज्यपाल को लगता था कि विधेयक सही नहीं हैं, तो क्या उन्हें यह तत्काल सरकार के ध्यान में नहीं लाना चाहिए था, ताकि विधानमंडल उन पर पुनर्विचार करता।

अटार्नी जनरल ने पीठ की जिज्ञासाओं का जवाब देते हुए कहा कि यह मामले की परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जेबी पार्डीवाला और आर महादेवन की पीठ आजकल तमिलनाडु सरकार की याचिका पर सुनवाई कर रही है। तमिलनाडु सरकार ने राज्यपाल पर विधेयकों को लटकाए रखने और मंजूरी नहीं देने का आरोप लगाया है।

अमेरिका ने भारतीयों को सेना के विमान से क्यों भेजा वापस?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे 104 भारतीयों को पिछले दिनों निर्वासित कर दिया गया। इन भारतीयों को अमेरिकी सैन्य विमान से वापस भेज दिया गया। विमान ने बुधवार को अमृतसर में लैंडिंग की। इस विमान में 104 भारतीय सवार थे, जिन्होंने अवैध तरीके से अमेरिका की सीमा में प्रवेश किया था।

अमेरिका या किसी दूसरे देश से भारतीयों को सैन्य विमान का इस्तेमाल करके निर्वासित करने की इस घटना ने भारतीय नागरिकों के साथ किए जाने वाले व्यवहार पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस पूरे मामले पर विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने एक प्रेस ब्रीफिंग की और अमेरिकी वायुसेना के विमान के इस्तेमाल के अलावा जिन परिस्थितियों में भारतीयों को निर्वासित किया गया, उस पर प्रतिक्रिया दी।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने एक बयान में कहा कि यह विशेष निर्वासन पहले की उड़ानों की तुलना में कुछ अलग है। अमेरिकी प्रणाली में ही इसे राष्ट्रीय सुरक्षा अभियान के रूप में वर्णित किया गया था, इसलिए शायद इसीलिए उन्होंने एक सैन्य विमान का इस्तेमाल किया।

वहीं, केंद्र ने आज घोषणा की है कि अमेरिकी अधिकारियों ने भारत को बताया है कि 487 संभावित भारतीय नागरिकों के पास अंतिम निष्कासन आदेश हैं। इससे पहले 104 भारतीयों को अमेरिका ने वापस भारत भेज दिया है। अमेरिकी सैन्य विमान बुधवार को अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरा।

महाशिवरात्रि की पूरी रात जागेंगे बाबा विश्वनाथ, श्रद्धालु कर सकेंगे दर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाशिवरात्रि के पर्व का दिन ही ऐसा होता है जब बाबा विश्वनाथ का दरबार पूरी रात खुलता है। 26 फरवरी की भोर में जब मंदिर खुलेगा तो रात में विवाह रस्म के प्रतीक स्वरूप चार पहर की आरती होगी। मंदिर के पट अगले दिन रात में शयन आरती के साथ ही बंद होंगे। बाबा पूरी रात भक्तों को दर्शन देंगे। हालांकि वर्ष के आरंभ से ही सभी तरह के पास, प्रोटोकाल, सुगम दर्शन की सुविधा पर लगी रोक 28 फरवरी तक यथावत जारी रहेगी।

भारतीयों को डिपोर्ट, ब्रिक्स पर टैरिफ की धमकी के बीच अगले हफ्ते US जा रहे पीएम मोदी, ट्रंप से किन मुद्दों पर होगी बात?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेन्द्र मोदी अगले हफ्ते 12 और 13 फरवरी, 2025 को अमेरिका के दौरे पर जा रहे हैं। इस दौरान पीएम मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इस बैठक में कारोबार से जुड़े मुद्दे और सैन्य सहयोग का मुद्दा सबसे अहम होगा।

डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी, 2025 को अमेरिका के राष्ट्रपति के पद पर दोबारा आसीन हुए हैं। इस दौरान उन्होंने ना सिर्फ ब्रिक्स देशों के खिलाफ ज्यादा टैक्स लगाने की बात की, बल्कि अमेरिका में अवैध तरीके से रहने वाले भारतीयों को हथकड़ी और बेड़ियां लगाकर भारत भेजा है।

इसके अलावा ईरान में चाबहार पोर्ट बनाने को लेकर भारत को प्रतिबंध से मिली छूट को खत्म करने का भी प्रावधान किया है। इसके बावजूद राष्ट्रपति ट्रंप ने सत्ता संभालने के तीन हफ्ते के भीतर ही पीएम मोदी को वार्ता के लिए आमंत्रित किया है। पीएम मोदी और ट्रंप के बीच होने वाली मुलाकात में रिश्तों में खटास घोलने वाले इन मुद्दों पर भी बात होगी।

किन मुद्दों पर होगी पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात- पीएम मोदी के दौरे की जानकारी देते हुए विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि, ÷पीएम मोदी दुनिया के गिने चुने नेता होंगे जिनकी मुलाकात राष्ट्रपति ट्रंप के दोबारा सत्ता में आने के तुरंत बाद हो रही है। यह भारत-अमेरिका साझेदारी के महत्व को बताता है और दर्शाता है कि भारत के साथ रिश्तों को लेकर अमेरिका में पूरी तरह से राजनीतिक सहमति है। पीएम मोदी वहां राष्ट्रपति ट्रंप के साथ दो स्तरों में बात करेंगे।

विदेश सचिव ने कहा कि पीएम मोदी ट्रंप और उनके प्रशासन के नेताओं के साथ बात करेंगे और अमेरिका के उद्यमियों और प्रवासी भारतीयों के साथ अलग अलग बात पीएम मोदी और ट्रंप की मुलाकात के बाद एक संयुक्त घोषणा पत्र भी जारी किया जाएगा।

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने यह भी बताया कि दोनों नेताओं के बीच किन मुद्दों पर बात होगी. उन्होंने कहा कि निवेश, प्रौद्योगिकी, कारोबार, रक्षा सहयोग और हिंद-प्रशांत क्षेत्र का मुद्दा अहम रहेगा।

अमेरिका से पहले फ्रांस का दौरा भी करेंगे पीएम मोदी- डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में पीएम मोदी ने दो बार (साल 2017 और 2019) अमेरिका का दौरा किया था। जबकि राष्ट्रपति ट्रंप ने भी एक बार साल 2020 में भारत की यात्रा की थी। पीएम मोदी अमेरिका से पहले 11 और 12 फरवरी को फ्रांस की यात्रा पर होंगे।

दैनिक हिन्दकुश

इंसान को लगाई गई सुअर की किडनी, सफल रहा प्रत्यारोपण

नई दिल्ली (एजेंसी)। विज्ञानियों ने सुअर के जीन में बदलाव कर उसकी किडनी इंसान में सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित की है। अभी मरीज पूरी तरह से स्वस्थ है और अस्पताल से डिस्चार्ज होकर घर आ गया है। इस कामयाबी से भारत समेत दुनिया भर में किडनी फेल्योर का सामना कर रहे लाखों मरीजों के लिए उम्मीद की एक किरण जगी है कि उनको प्रत्यारोपण के लिए बहुत लंबा इंतजार नहीं करना होगा।

एक हफ्ते बाद अस्पताल से किया गया डिस्चार्ज- सर्जनों ने जनवरी माह में सुअर की किडनी को 66 वर्षीय व्यक्ति में सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया है। यह किडनी ऐसे सुअर की है जिसके जीन में बदलाव किया गया था। मरीज की किडनी फेल हो गई थी। मैसाचुसेट्स जनरल हास्पिटल ने शुक्रवार को यह जानकारी दी है।

सुअर की किडनी लगाने के लिए टिम एंड्रयूज की जनवरी के अंत में सर्जरी हुई थी और उनको एक सप्ताह बाद हास्पिटल से डिस्चार्ज कर दिया गया।

प्रत्यारोपण का यह चौथा मामला- अमेरिका में सुअर की किडनी का यह चौथा प्रत्यारोपण था। वहीं, यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन मंजूर किए गए क्लीनिकल ट्रायल के तहत सुअर की किडनी का यह पहला प्रत्यारोपण था। क्लीनिकल ट्रायल के तहत तीन किडनी प्रत्यारोपण किए जाने हैं। इससे पहले प्रत्यारोपण के बाद दो मरीजों की कम समय में ही मौत हो गई थी। इनमें से एक मरीज प्रत्यारोपण से पहले गंभीर रूप से बीमार था।

जीन में किया जा रहा बदलाव- अमेरिका में एक लाख से अधिक व्यक्ति प्रत्यारोण अंगों के लिए वेटिंग लिस्ट में हैं। इनमें से ज्यादातर लोगों को किडनी का प्रत्यारोपण कराना है। मगर मानव दाता अंगों की किल्लत है और यह माना जा रहा है कि वेटिंग में ही बहुत से लोगों की मौत हो जाएगी। प्रत्यारोपण अंगों की कमी को दूर करने के लिए कई बायोटेक कंपनियां सुअरों के जीन में बदलाव कर रही हैं, जिससे उनके अंगों को मानव शरीर आसानी से रिजेक्ट न करे।

छह मरीजों पर होगा दूसरा ट्रायल- नया क्लीनिकल ट्रायल जीन में बदलाव किए गए पशु अंगों पर किए गए दो अध्ययनों में से एक है, जिनको इस सप्ताह की शुरुआत में रेग्युलेटर से मंजूरी मिली है। क्लीनिकन ट्रायल में बायोटेक कंपनी ईजेनेसिस द्वारा तैयार किए गए अंगों का इस्तेमाल हो रहा है। दूसरा क्लीनिकल ट्रायल इसी वर्ष आने वाले महीनों में छह मरीजों के साथ शुरू होगा। बाद में मरीजों की संख्या बढ़ कर 50 पहुंच जाएगी।

शी चिनफिंग के सामने जरदारी ने अलापा कश्मीर राग, मिला ये जवाब; सैन्य सहयोग बढ़ाएंगे दोनों देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। आधिकारिक यात्रा पर चीन आए पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने अपने चीनी समकक्ष शी चिनफिंग के साथ हुई बातचीत में कश्मीर मुद्दे को उठाया। वार्ता में दोनों देशों ने क्षेत्र में रणनीतिक संतुलन बनाए रखने में अपने रक्षा सहयोग के महत्व को दोहराया। मंगलवार को पांच दिन की यात्रा पर बीजिंग पहुंचे जरदारी ने बुधवार को शी चिनफिंग से मुलाकात की।

शीतकालीन खेलों में लिया हिस्सा- शुक्रवार को जरदारी ने हार्बिन में नौवें एशियाई शीतकालीन खेलों में भाग लिया। चिनफिंग ने शीतकालीन खेलों का उद्घाटन किया। जरदारी की बीजिंग यात्रा के बाद गुरुवार को जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया, पाकिस्तानी पक्ष ने चीनी पक्ष को जम्मू-कश्मीर की स्थिति के नवीनतम घटनाक्रम से अवगत कराया।

चीन ने कहा- शांतिपूर्ण तरीके से निकले हल- चीनी पक्ष ने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर विवाद इतिहास की देन है और इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रासंगिक प्रस्तावों और द्विपक्षीय समझौतों के अनुसार उचित एवं शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाया जाना चाहिए।

सैन्य तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे- रक्षा संबंधों पर संयुक्त वक्तव्य में कहा गया, दोनों पक्षों ने इस बात पर जोर दिया कि चीन और पाकिस्तान के बीच रणनीतिक रक्षा और सुरक्षा सहयोग क्षेत्र में शांति, स्थिरता और रणनीतिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बयान में कहा गया है कि दोनों पक्ष संयुक्त प्रशिक्षण, अभ्यास और सैन्य प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाएंगे।

वीजा रिजेक्ट हुआ तो भड़क गई ये भारतवंशी नेता, बोलीं- मैं मोदी सरकार की रिजेक्ट लिस्ट में...

अमेरिका के सिएटल में भारतीय वाणिज्य दूतावास को भारतीय-अमेरिकी राजनीतिज्ञ क्षमा सावंत को इमरजेंसी वीजा देने से इनकार करने के बाद हंगामा हो गया।

अमेरिका में स्थित भारतीय दूतावास ने बताया कि दूतावास के दफ्तर बंद होने के बावजूद कुछ लोग जबरन भीतर घुस आए जिसकी वजह से लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति पैदा हो गई थी।

दूतावास ने कहा कि उसे संबंधित स्थानीय अधिकारियों को बुलाने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि कुछ व्यक्तियों ने दफ्तर समय के बाद बिना अनुमति के वाणिज्य दूतावास परिसर में दाखिल होने की कोशिश की और बाहर निकलने से इनकार कर दिया।

दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, आज, वाणिज्य दूतावास को दफ्तर समय के बाद वाणिज्य दूतावास परिसर में कुछ व्यक्तियों के अनधिकृत प्रवेश से पैदा हुई कानून और व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए मजबूर होना पड़ा। बार-बार गुजारिश के बावजूद, इन व्यक्तियों ने वाणिज्य दूतावास परिसर छोड़ने से इनकार कर दिया और वाणिज्य दूतावास के कर्मचारियों के साथ आक्रामक और धमकी भरा व्यवहार किया।

ब्राजील के साओ पाउलो शहर में हाईवे पर उतरा विमान, बस से हुई टक्कर; दो की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिणी ब्राजील के साओ पाओलो में शुक्रवार को एक छोटे विमान के व्यस्त सड़क पर दुर्घटनाग्रस्त हो जाने और एक बस से टकरा जाने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। इस हादसे के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया। विमान की बस से टक्कर के बाद लोग बेतहाशा इधर-उधर भाग रहे थे।

सैन्य पुलिस के अनुसार, विमान में सवार दो लोगों की आग में झुलस कर मौत हो गई। छह अन्य लोग घायल हो गए, जिनमें एक मोटरसाइकिल सवार और बस में सवार एक महिला शामिल है. दरअसल दोनों लोग उड़ते हुए मलबे की चपेट में आ गए थे।

सीएनएन के मुताबिक, साओ पाओलो में सैन्य पुलिस के अग्निशमन विभाग के प्रवक्ता कैप्टन आंद्रे एलियास सैंटोस ने बताया कि जीवित बचे लोगों को पास के सांता कासा डी मिसेरिकोर्डिया अस्पताल और उपा सांताना अस्पताल ले जाया गया।

हादसे की हो रही जांच, पुलिस ने तफ्तीश कर दी शुरू- अधिकारियों ने टक्कर के कारण की जांच शुरू कर दी है।

ब्रिटिश नौसेना में महिला अधिकारी वर्दी के रूप में पहन सकेंगी साड़ी, जानिए ड्रेस कोड में क्यों किया गया बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन की रॉयल नौसेना ने अपने औपचारिक ड्रेस कोड को अधिक समावेशी बनाने के लिए महिला अधिकारियों को वर्दी के एक भाग के रूप में साड़ी पहनने की अनुमति दी है। नए ड्रेस कोड के तहत महिला अधिकारी औपचारिक अवसरों पर मेस जैकेट के नीचे साड़ी सहित अन्य सांस्कृतिक परिधान पहन सकती हैं।

लिंक्डइन पर दी जानकारी- इंटरनेट मीडिया लिंक्डइन पर रॉयल नेवी रेस डायवर्सिटी नेटवर्क के अध्यक्ष लांस कार्पोरल जैक कनानी ने एक फोटो साझा कर इसकी जानकारी दी। कनानी की तस्वीर में कैप्टन दुर्दाना अंसारी वर्दी जैकेट के नीचे साड़ी पहने दिख रही हैं। कनानी ने कहा कि यह नीति वर्दी में शामिल सांस्कृतिक कपड़ों के क्रमिक विस्तार के अनुरूप है।

नीति में बदलाव से पहले ली गई राय- रिपोर्ट के अनुसार, कनानी ने बताया कि मौजूदा नीति में पहले से स्काटिश, आयरिश, वेल्श, कार्निश और मैनक्स विरासत को किल्ट्स और टार्टन ड्रेस पहनकर प्रदर्शित करने की अनुमति है। अब रॉयल नौसेना में सेवा देने वाली अन्य ब्रिटिश संस्कृतियों को भी शामिल किया गया है। कनानी ने बताया कि नीति में संशोधन से पहले महिलाओं से राय ली गई थी।

इससे समझा गया कि सांस्कृतिक मेस ड्रेस पर मौजूदा नीति को व्यापक बनाने से उन्हें अपनी रॉयल नौसेना और सांस्कृतिक विरासत दोनों का जश्न मनाने का मौका मिलेगा। पिछले मेस नियम अभी भी लागू हैं, जिसमें अधिकारियों को सांस्कृतिक पोशाक या साड़ी पहनने के बाद भी उसके ऊपर से कमर से ऊपर मेस जैकेट, शर्ट और बो-टाई पहननी होगी।

ढीले पड़े ट्रंप के तेवर, चीन पर टैरिफ लगाने का आदेश रोका; कनाडा और मेक्सिको को भी मिल चुकी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को चीन से आयातित कम लागत वाली वस्तुओं पर टैरिफ लगाने का आदेश फिलहाल रोक दिया है। यह तब तक लागू नहीं किया जाएगा जब तक वाणिज्य विभाग इस बात की पुष्टि नहीं कर लेता कि वस्तुओं को प्रोसेस करने और टैरिफ एकत्र करने के लिए प्रक्रियाएं व व्यवस्थाएं मौजूद हैं।

ट्रंप ने लगाया था 10 फीसदी टैरिफ- गौरतलब है कि ट्रंप के एक कार्यकारी आदेश के जरिये पिछले शनिवार को चीन से आयातित कम लागत वाली वस्तुओं सहित विभिन्न वस्तुओं पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया था।

व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि इस कदम को विलंबित करने वाले कार्यकारी आदेश में संशोधन बुधवार को किया गया था, लेकिन इसे शुक्रवार को सार्वजनिक किया गया।

कई अन्य देशों पर टैरिफ लगाएंगे ट्रंप- इस बीच, राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वह अगले सप्ताह कई देशों पर जवाबी टैरिफ की घोषणा करने की योजना बना रहे हैं, ताकि अन्य देश अमेरिका के साथ समान व्यवहार करें। ट्रंप ने यह नहीं बताया कि किन देशों पर इसका असर पड़ेगा, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि यह एक व्यापक प्रयास होगा जो अमेरिका की बजट समस्याओं को हल करने में भी मदद कर सकता है। यह कदम ट्रंप के चुनावी वादे को पूरा करेगा जिसमें अमेरिकी आयातों पर टैरिफ लगाया जाएगा, जो उस टैरिफ के बराबर होगा जो व्यापारिक साझीदार देश अमेरिकी निर्यातों पर लगाते हैं।

ट्रंप बोले- वी लव जापान

लंदन का ग्रेनफेल टावर होगा ध्वस्त, हादसे के 8 साल बाद फैसला; अग्निकांड में 72 लोगों की गई थी जान

भयानक अग्निकांड के आठ साल बाद लंदन के ग्रेनफेल टावर को ढहाया जाएगा। ब्रिटेन सरकार ने शुक्रवार को ग्रेनफेल टावर के ढहाने की योजना का एलान किया। 14 जून 2017 की सुबह ग्रेनफेल टावर में भीषण आग लगी थी। इस हादसे में कुल 72 लोगों की जान गई थी। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ब्रिटेन में हुआ यह सबसे भयावह अग्निकांड था।

फैसले का हो रहा विरोध- हादसे के आठ साल बाद इमारत को ढहाने के फैसले का विरोध भी हो रहा है। हादसे में अपनों को खोने वाले लोग सरकार के इस निर्णय की आलोचना कर रहे हैं। दरअसल, यह लोग इमारत के जले हुए ढांचे को मृतकों की स्मृति के तौर पर संरक्षित करना चाहते हैं। बता दें कि ग्रेनफेल टावर पश्चिमी लंदन के उत्तरी केंसिंग्टन के पास स्थित है। यह इमारत लगातार त्रासदी की याद दिलाती है।

सावधानीपूर्वक ढहाया जाएगा- मगर सरकार का कहना है कि पुनर्विकास और 24 मंजिला इमारत के अवशेषों को हटाने से समुदाय को राहत मिलेगी। सरकार नेकहा है कि ग्रेनफेल टावर को सावधानीपूर्वक ढहाया जाएगा।

कई कारणों से लगी आग- हादसे की लंबी जांच चली। यह तथ्य सामने आया है कि इसके पीछे एक नहीं बल्कि कई कारण थे। भ्रष्ट कंपनियों, कमजोर विनियमन और लापरवाह सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत से यह हादसा हुआ था।

हमारे साथ अपराधियों जैसा व्यवहार हुआ, भारतीय नागरिकों को हथकड़ी और बेड़ियों से जकड़ने पर ट्रंप के खिलाफ आक्रोश

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने अपने सैन्य विमान से 104 भारतीय नागरिकों को वापस भेजा। मगर हाथों में हथकड़ी और पैरों में बेड़ियों से जकड़े इन नागरिकों की फोटो दुनियाभर में वायरल हुई। इसके बाद से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रति लोगों का गुस्सा भड़कने लगा है।

नई दिल्ली में विपक्षी दलों ने सरकार के खिलाफ संसद के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान कई नेताओं ने अपने हाथों में हथकड़ी पहनकर अपना विरोध दर्ज कराया। उधर, एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने नई दिल्ली में डोनाल्ड ट्रंप के पुतले फूंके।

कोलंबिया दिखा चुका आंख- पिछले महीने अमेरिका ने कोलंबिया के अवैध नागरिकों को अपने वतन से निकाला था। मगर नागरिकों को हथकड़ी बांधने और बेड़ियों में जकड़ने की अमेरिकी हरकत पर कोलंबिया भड़क उठा था। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो इतने नाराज हुए कि उन्होंने अमेरिकी सैन्य विमान को उतरने की अनुमति तक नहीं दी। इसी तरह के बर्ताव के बाद ब्राजील ने अमेरिकी राजदूत को तलब किया।

बेड़ियों में जकड़ना बहुत गलत- 104 भारतीय को लेकर पहुंचा अमेरिकी सैन्य विमान अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरा।

राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज, जानबूझकर देश विरोधी बयान देने का लगा आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ ओडिशा में एफआईआर दर्ज की गई है। ओडिशा के झारसुगुड़ा पुलिस थाने में राहुल गांधी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 152 और 197 (1) (डी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। राहुल गांधी पर कथित तौर पर जानबूझकर राष्ट्र-विरोधी बयान देने का आरोप लगाया गया है। यह भी कहा गया कि इससे हर भारतीय नागरिक आहत हुआ है।

भाजपा नेताओं ने दर्ज कराई शिकायत- एफआईआर के मुताबिक 7 फरवरी को रात साढ़े 11 बजे शिकायत दर्ज कराई गई है। सरबहाल के रहने वाले 42 वर्षीय राम हरि पुजारी ने यह शिकायत दर्ज कराई है। इसमें भाजपा, भाजपा युवा मोर्चा, आरएसएस, बजरंग दल और झारसुगुड़ा जिले के भाजपा विधिक प्रकोष्ठ के सदस्यों ने आरोप लगाया है कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी जानबूझकर राष्ट्र विरोधी बयान दे रहे हैं। इससे प्रत्येक भारतीय आहत है।

एफआईआर में कहा गया है कि राहुल गांधी के बयान ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमाओं को पार कर दिया है।

कुलपति व प्रोफेसर की भर्ती नियमों के मसौदे पर राज्यों की ली जाएगी राय, तमिलनाडु और केरल की आपत्ति के बाद फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्वविद्यालयों सहित देश भर के उच्च शिक्षण संस्थानों में कुलपति और प्रोफेसर की भर्ती के नए प्रस्तावित नियमों को अंतिम रूप देने से पहले राज्यों के साथ भी चर्चा होगी। तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों की ओर से इस मुद्दे पर उठ रहे विरोध के स्वर को देखते हुए शिक्षा मंत्रालय व यूजीसी ने मसौदे को अंतिम रूप से देने से पहले सभी राज्यों की राय जानने के संकेत दिए है।

माना जा रहा है कि राज्यों के साथ यह चर्चा एक-एक कर होगी। जिसमें राज्यों से सुझाव मंगाए जाएंगे। इस बीच प्रस्तावित मसौदे पर आम लोगों से भी सुझाव लेने की समय सीमा को बढ़ा दिया गया है। अब कोई भी मसौदे को लेकर 28 फरवरी तक अपने सुझाव दे सकेंगे।

अब तक मसौदे पर सुझाव देने की अंतिम समय सीमा पांच फरवरी तक ही थी। हालांकि अब तक जिस तरह के संकेत मिल रहे है, उनमें यूजीसी अपने मसौदे को लेकर किसी भी तरह के बदलाव के पक्ष में ही है।

यूजीसी का मानना है कि इन नए नियमों से कुलपति और प्रोफेसर की नियुक्ति में और पारदर्शिता आएगी। साथ ही उच्च शिक्षण संस्थानों ने एनईपी आने के बाद हुए बदलावों के तहत प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर की नियुक्ति हो सकेगी। हाल ही में राज्यसभा में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इसे लेकर उठाए गए सवालों पर जवाब देते हुए कहा कि इन नए नियमों से कुलपति जैसे शीर्ष पदों पर रिश्तेदारों और करीबियों को नियुक्ति पर रोक लगेगी।

इसरो ने पास किया अहम टेस्ट, क्रायोजेनिक इंजन का वैक्यूम इग्निशन का ट्रायल सफल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने फिर एक बार नई उपलब्धि को हासिल किया है। इसरो ने शनिवार (8 फरवरी 2025) को बताया कि उसने क्रायोजेनिक इंजन का वैक्यूम इग्निशन ट्रायल सफलतापूर्वक कर लिया है।

इसरो ने कहा कि उसने वैक्यूम परिस्थितियों में 'मल्टी-एलिमेंट इग्नाइटर' के साथ एलवीएम3 के ऊपरी चरण को पावर देने वाले स्वदेशी सीई20 क्रायोजेनिक इंजन का सफलतापूर्वक प्रज्वलन परीक्षण किया है।

अंतरिक्ष एजेंसी ने एक बयान में कहा कि यह परीक्षण शुक्रवार को तमिलनाडु के महेंद्रगिरि स्थित इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स में किया गया।

क्यों अहम है ये परीक्षण?

यह इंजन गगनयान मिशन के लिए काफी अहम है। इस मिशन के तहत भारत पहली बार अंतरिक्ष में इंसानों को भेजेगा।अंतरिक्ष में उड़ान के बीच में वैक्यूम परिस्थितियों में क्रायोजेनिक इंजन को दोबारा से शुरू करना पेचिदा है, इसलिए ऐसे हालात में इंजन को दोबारा शुरू करने के लिए इसरो केंद्रीय गैस प्रणाली के बजाय बूटस्ट्रैप मोड में टर्बोपंप के इस्तेमाल करने को लेकर खोज कर रहा है।

इसरो उड़ान के दौरान क्रायोजेनिक इंजन को फिर से शुरू करने की क्षमता बढ़ाने की दिशा में बूटस्ट्रैप मोड में इंजन शुरू करने के मकसद से एक के बाद एक परीक्षण कर रहा है। इससे पहले, मल्टी-एलिमेंट इग्नाइटर का इस्तेमाल करके इंजन इग्निशन परीक्षण वैक्यूम चैम्बर के बाहर जमीनी परिस्थितियों में किया गया था।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा, इंजन पहले से ही एकल शुरुआत के साथ उड़ान में 19टी से 22टी तक के 'थ्रस्ट' स्तर पर काम करने के लिए मुफीद है और यह गगनयान मिशन के लिए भी उपयुक्त है।

NDA का उपाध्यक्ष बनना चाहते थे चंद्रबाबू नायडू, पूर्व पीएम देवगौड़ा ने किया बड़ा दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने शुक्रवार को राज्यसभा में बड़ा दावा किया है और उनके इस दावे के बाद एनडीए के खेमे में खलबली मच गई होगी। दरअसल, पूर्व प्रधानमंत्री ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को लेकर यह दावा किया है कि, लोकसभा चुनाव 2024 के बाद नायडू एनडीए का उपाध्यक्ष बनना चाहते थे।

पूर्व पीएम देवगौड़ा ने किया बड़ा दावा- उन्होंने बताया कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसा करने से मना कर दिया था। हालांकि, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने ऐसी किसी भी बात से इनकार किया है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि, चंद्रबाबू नायडू अपने 16 सांसदों के साथ एनडीए सरकार का समर्थन करते हैं। वो इस गठबंधन का उपाध्यक्ष बनना चाहते थे। लेकिन पीएम मोदी इससे सहमत नहीं हुए, क्योंकि पीएम जानते हैं कि प्रशासन कैसे चलाना है।

पूर्व प्रधानमंत्री ने की पीएम मोदी की तारीफ- राज्यसभा में पूर्व पीएम देवगौड़ा ने कहा कि, यूपीए सरकार में सिर्फ प्रधानमंत्री नहीं था, बल्कि एक उपाध्यक्ष भी था। सत्ता का केंद्र अध्यक्ष के पास था। लेकिन, पीएम मोदी ने किसी को भी सरकार को संभालने या उसमें दखल देने की इजाजत नहीं दी है।

उन्होंने कहा कि, सरकार का कहना है कि उसने गरीबों, मध्यम वर्ग, युवाओं और महिलाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इस प्राथमिकता को प्राप्त करने, लागू करने और उपेक्षित वर्ग की संभावनाओं को पूरा करने के लिए पांच सालों तक स्थिर सरकार का होना बहुत जरूरी है। पूर्व पीएम ने कहा कि, अब हमारे जैसे क्षेत्रीय दलों के समर्थन से 305 सदस्यों के साथ यह सरकार पूरे पांच साल चलेगी। पीएम से कोई किसी तरह का फायदा नहीं उठा सकता है।

भाजपा ने पूर्व प्रधानमंत्री के इस दावे को लेकर अपना जवाब दिया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि, पार्टी अध्यक्ष के तौर पर मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि, एनडीए में ऐसी कोई भी चर्चा नहीं हुई है।

मुंबई में 7 और केरल में 2 बांग्लादेशी घुसपैठिए गिरफ्तार, ढाका में बांग्लादेशी अभिनेत्री मेहर अफरोज हिरासत में

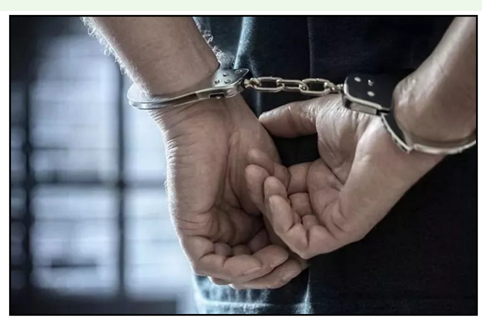

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई में शुक्रवार को चार महिलाओं समेत सात बांग्लादेशी घुसपैठियों को गिरफ्तार किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि ये घुसपैठिए 2020 से अवैध रूप से देश में रह रहे थे। पुलिस ने गिरफ्तार बांग्लादेशियों की पहचान 26 वर्षीय सोहांग अशीर मुल्ला, 26 वर्षीय जाहिदुल इस्लाम इमुल, 25 वर्षीय नोयाम अफजल हुसैन शेख, 23 वर्षीया अलामिन शेख, 24 वर्षीया अलाम तुतुल, 35 वर्षीया तावमिना अख्तर राजू और 35 वर्षीया सलमा मोकसाद अली के रूप में की है।

ये सभी चेंबुर में माहुल में रह रहे थे। सातों ने स्वीकार किया कि वे सभी बांग्लादेश से हैं और मार्च 2020 से बिना वैध दस्तावेज के रह रहे थे। सभी के विरुद्ध विदेशी अधिनियम, पासपोर्ट अधिनियम आदि के तहत मामला पंजीकृत किया गया है। आरसीएफ थाना के अधिकारी ने कहा कि आगे की जांच की जा रही है।

केरल में जाली दस्तावेज के आधार पर कई वर्षों से रहने वाली दंपती को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कहा कि 38 वर्षीय दशरथ बनर्जी और उसकी पत्नी 33 वर्षीया मारी बीबी एडावानकड क्षेत्र में स्वयं को भारतीय नागरिक बताकर रह रहे थे। नजारकल पुलिस ने ऑपरेशन क्लीन पहल के तहत तलाशी अभियान के दौरान दंपती को गिरफ्तार किया। जाली आधार, मतदाता पहचान पत्र उन्होंने बंगाल में बनवाए थे। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की आलोचक रहीं प्रसिद्ध अभिनेत्री और पार्श्व गायिका मेहर अफरोज को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। हिरासत में लिए जाने का कारण अभी नहीं बताया गया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त रेजाउल करीम मोलिक ने कहा कि उनके संबंध में कुछ जानकारियां मिली थीं। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा, उन्होंने कहा कि हमने अभी कोई फैसला नहीं लिया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश
हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 माघ शुक्ल द्वादशी

संपादकीय

विकास के साधन के रूप में प्राथमिकता वित्त को दी जाती है....

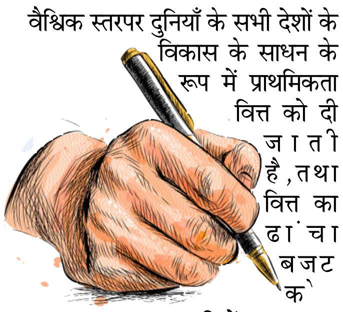

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के सभी देशों के विकास के साधन के रूप में प्राथमिकता वित्त को दी जाती है,तथा वित्त का ढांचा बजट के पहियों पर आत्मा के रूप में समाहित होता है, जो किसी भी देश के विकास की दिशा को निर्धारित करता है,उसे सशक्त बनाता है, क्योंकि देश के विकास की राह पर चलने के लिए रुपए/डॉलर की आवश्यकता होती है, जो बजट के माध्यम से तय किया जाता है कि किस क्षेत्र में कितना पैसा मिलेगा।अभी हमने 1 फरवरी 2025 को बजट के सभी प्रावधानों का बारीकी से अध्ययन करके देखें कि किस क्षेत्र को कितना एलोकेशन किया गया है।चूँकि बजट में माननीय वित्तमंत्री ने घोषणा की थी कि एक सप्ताह के भीतर एक नया आयकर अधिनियम 2025 लाया जाएगा, इसलिए ही आज दिनांक 7 फरवरी 2025 को देर रात्रि केंद्रीय वित्तीय कैबिनेट ने आयकर अधिनियम 2025 (डायरेक्ट टैक्स कोड 2025) को मंजूरी दी। इसे अब संभावित सोमवार को संसद के पटल पर रखा जाएगा व वित्त पर संसदीय स्थाई समिति के पास भेजने की प्रबल संभावना है,जिसमें नए बिल में संभावित कुछ ऐसे प्रावधान प्रस्तावित है जो कार्यकारी आदेशों के माध्यम से कटौती या छूट की सीमा और राशियों को बदलने की अनुमति देंगे,इसलिए आज हम मीडियम उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,वित्तीय कैबिनेट ने नए आयकर अधिनियम 2025 (डायरेक्ट टैक्स कोड 2025) को मंजूरी दी।

साथियों बात अगर हम नए आयकर अधिनियम 2025 को लागू करने की करें तो,पीएम की अध्यक्षता वाली केंद्रीय वित्तीय कैबिनेट ने नए इनकम टैक्स बिल 2025 (डायरेक्ट टैक्स कोड बिल 2025) को मंजूरी दे दी है। इस बिल को केंद्रीय कैबिनेट ने शुक्रवार देर रात मंजूरी दी है। मीडिया केमुताबिक यह बिल अब सोमवार को केंद्रीय वित्तमंत्री 9 फरवरी 2025 को लोकसभा में पेश करेंगी। लोकसभा में इस बिल को फिलहाल स्थायी समिति को भेजा जा सकता है। संसद से मंजूरी मिलने के बाद राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के साथ ही यह बिल छह दशक पुराने इनकम टैक्स कानून 1961 की जगह लेगा यानी नया इनकम टैक्स कानून बन जाएगा। वित्तमंत्री ने इस बिल के बारे में जानकारी देते हुए कहा था कि इसके पास होने से डायरेक्ट टैक्स कानून सरल बन जाएंगे। मौजूदा कानून के अस्पष्ट प्रावधान इसमें नहीं होंगे और इससे इनकम टैक्स से जुड़े मुकदमों की संख्या कम होगी अब संसद में होगा। बता दें कि संसद के मौजूदा बजट सत्र का पहला चरण 13 फरवरी को खत्म हो रहा है।सत्र 10 मार्च को फिर शुरू होगा और चार अप्रैल तक चलेगा।नया बिल इनकम टैक्स से जुड़े उन सभी संशोधनों और धाराओं से मुक्त होगा जो अब प्रासंगिक नहीं हैं। साथ ही भाषा ऐसी होगी कि लोग इसे टैक्स एक्सपर्ट की सहायता के बिना समझ सकें। इस बिल में प्रावधान और स्पष्टीकरण या कठिन वाक्य नहीं होंगे। इससे मुकदमे बाजी कम करने में भी मदद मिलेगी और इस तरह विवादित टैक्स डिमांड में कमी आएगी। दरअसल, इनकम टैक्स लॉ लगभग 60 साल पहले 1961 में बनाया गया था और तब से समाज में, लोगों के पैसे कमाने के तरीके और कंपनियों के कारोबार करने के तरीके में बहुत सारे बदलाव हुए हैं। समय के साथ आयकर अधिनियम में संशोधन किए गए। देश के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने में तकनीकी प्रगति और बदलावों को देखते हुए, पुराने आयकर अधिनियम को पूरी तरह से बदलने की सख्त जरूरत है। नए बिल के लागू करने का मकसद भाषा और अनुपालन प्रक्रियाओं को सरल बनाना है। कहने का मतलब है कि नए कानून में इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव की संभावना नहीं है, क्योंकि यह आमतौर पर वित्त अधिनियम के माध्यम से किया जाता है।

गिरिराज किशोर

गिरिराज किशोर हिन्दी के प्रसिद्ध उपन्यासकार होने के साथ-साथ एक सशक्त कथाकार, नाटककार और आलोचक हैं। एक कहानीकार के रूप में भी इन्होंने पर्याप्त ख्याति अर्जित की है। गिरिराज किशोर के सम-सामयिक विषयों पर विचारोत्तेजक निबंध विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से प्रकाशित होते रहे हैं। आपने बालकों के लिए भी अनेक लेख लिखे हैं। इनका उपन्यास ढाई घर अत्यन्त लोकप्रिय हुआ था। वर्ष 1991 में प्रकाशित इस कृति को 1992 में ही साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित कर दिया गया था। गिरिराज किशोर द्वारा लिखा गया पहला गिरमिटिया नामक उपन्यास महात्मा गाँधी के अफ़्रीका प्रवास पर आधारित था, जिसने इन्हें विशेष पहचान दिलाई।

शिक्षा व कार्यक्षेत्र

गिरिराज किशोर का जन्म 8 जुलाई, 1937 को उत्तर प्रदेश के मुजफ़्फ़रनगर में हुआ था। अपनी शिक्षा के अंतर्गत उन्होंने मास्टर ऑफ़ सोशल वर्क की डिग्री 1960 में समाज विज्ञान संस्थान, आगरा से प्राप्त की थी। गिरिराज किशोर 1960 से 1964 तक उत्तर प्रदेश सरकार में सेवायोजन अधिकारी व प्रोबेशन अधिकारी भी रहे थे। 1964 से 1966 तक इलाहाबाद में रहकर स्वतन्त्र लेखन किया। फिर जुलाई, 1966 से 1975 तक कानपुर विश्वविद्यालय में सहायक और उप-कुलसचिव के पद पर सेवारत रहे। आई.आई.टी. कानपुर में 1975 से 1983 तक रजिस्ट्रार के पद पर रहे और वहाँ से कुलसचिव के पद से उन्होंने अवकाश ग्रहण किया। वर्ष 1983 से 1997 तक रचनात्मक लेखन एवं प्रकाशन केन्द्र के अध्यक्ष रहे। गिरिराज किशोर साहित्य अकादमी, नई दिल्ली की कार्यकारिणी के भी सदस्य रहे। रचनात्मक लेखन केन्द्र उनके द्वारा ही स्थापित किया गया था। आप हिन्दी सलाहकार समिति, रेलवे बोर्ड के सदस्य भी रहे।

फैलोशिप

वर्ष 1998 से 1999 तक संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने गिरिराज किशोर को एमेरिट्स फैलोशिप दी। 2002 में छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा डी.लिट. की मानद् उपाधि दी गयी। भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, राष्ट्रपति निवास, शिमला में मई, 1999-2001 तक फैलो रहे।

प्रतिभा सम्पन्न लेखक

गिरिराज किशोर के सम-सामयिक विषयों पर विचारोत्तेजक निबंध पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहे हैं। ये बालकों के लिए भी लिखते रहे हैं। इस तरह गिरिराज किशोर एक बहुआयामी प्रतिभा सम्पन्न लेखक हैं। गिरिराज किशोर को सर्वाधिक कीर्ति औपन्यासिक लेखन के माध्यम से ही प्राप्त हुई। वर्तमान में गिरिराज जी स्वतंत्र लेखन तथा कानपुर से निकलने वाली हिन्दी त्रैमासिक पत्रिका अकार त्रैमासिक के संपादन में संलग्न हैं।

प्रसिद्धि

लेखक की शुरुआती दौर में लिखी गयी किसी मशहूर कृति की छाया से बाद की रचनायें निकल नहीं पातीं। गिरिराज जी का लेखन इसका अपवाद है और इनकी हर नयी रचना का क़द पिछली रचना से के क़द से ऊंचा होता गया। देश के इस प्रख्यात साहित्यकार को कनपुरिये अपना ख़ास गौरव मानते हैं। अपनी विनम्रता, सौजन्यता के लिये जाने जाने वाले गिरिराज जी मानते हैं - सख्त से सख्त बात शिष्टाचार के आज घेरे में रहकर भी कही जा सकती है। हम लेखक हैं। शब्द ही हमारा जीवन है और हमारी शक्ति भी।

उसको बढ़ा सकें तो बढ़ायें, कम न करें। भाषा बड़ी से बड़ी गलाजत ढंक लेती है।

रचनाएँ

प्रकाशित कृतियां -

उपन्यासों के अतिरिक्त दस कहानी संग्रह, सात नाटक, एक एकांकी संग्रह, चार निबंध संग्रह तथा महात्मा गांधी की जीवनी पहला गिरमिटिया प्रकाशित हो चुका है।

कहानी संग्रह

नीम के फूल,
चार मोती बेआब,
पेपरवेट,
रिश्ता और अन्य कहानियां,
शहर -दर -शहर,
हम प्यार कर लें,
जगत्तारनी एवं अन्य कहानियां,
वल्द रोज़ी,
यह देह किसकी है?

कहानियां पांच खण्डों में मेरी राजनीतिक कहानियां

हमारे मालिक सबके मालिक

उपन्यास

इनके द्वारा लिखित उपन्यास इस प्रकार हैं-

लोग (1966)
चिड़ियाघर (1968)
यात्राएँ (1917)
जुगलबन्दी (1973)
दो (1974)
इन्द्र सुनें (1978)
दावेदार (1979)
यथा प्रस्तावित (1982)
तीसरी सत्ता (1982)
परिशिष्ट (1984)
असलाह (1987)
अंर्तध्वंस (1990)
ढाई घर (1991)
यातनाघर (1997)
पहला गिरमिटिया (1999)

आठ लघु उपन्यास अष्टाचक्र के नाम से दो खण्डों में ।

पहला गिरमिटिया - गाँधी जी के दक्षिण अफ्रीकी अनुभव पर आधारित महाकाव्यात्मक उपन्यास।

नाटक

नरमेध,
प्रजा ही रहने दो,
चेहरे - चेहरे किसके चेहरे,
केवल मेरा नाम लो,
जुर्म आयद,
काठ की तोप।

लघुनाटक

बच्चों के लिए एक लघुनाटक मोहन का दुःख

लेख/निबंध

संवादसेतु,
लिखने का तर्क,
सरोकार,
कथ-अकथ,
समपर्णी,
एक जनभाषा की त्रासदी,
जन-जन सनसत्ता

पुरस्कार

गिरिराज किशोर का उपन्यास 'ढाई घर' अत्यन्त लोकप्रिय हुआ। 1991 में प्रकाशित इस कृति को 1992 में ही साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ। महात्मा गांधी के अफ़्रीका प्रवास पर आधारित 'पहला गिरमिटिया' भी काफ़ी लोकप्रिय हुआ, पर 'ढाई घर' औपन्यासिक क्षेत्र में अपनी एक विशिष्ट पहचान बना चुका है। राष्ट्रपति द्वारा 23 मार्च 2007 को साहित्य और शिक्षा के लिए पद्मश्री पुरस्कार से विभूषित किया गया था। उत्तर प्रदेश के भारतेन्दु पुरस्कार नाटक पर, परिशिष्ट उपन्यास पर मध्यप्रदेश साहित्य परिषद के वीरसिंह देव पुरस्कार, उत्तर प्रदेश हिन्दी सम्मेलन के वासुदेव सिंह स्वर्ण पदक तथा ढाई घर उ.प्र.के लिये हिन्दी संस्थान के साहित्य भूषण पुरस्कार से सम्मानित किये गये। भारतीय भाषा परिषद का शतदल सम्मान मिला। पहला गिरमिटिया उपन्यास पर के.के. बिरला फाउण्डेशन द्वारा व्यास सम्मान और जे. एन. यू. में आयोजित सत्याग्रह शताब्दी विश्व सम्मेलन में सम्मानित किया गया।

मृत्यु

पद्मश्री से सम्मानित वरिष्ठ हिंदी साहित्यकार गिरिराज किशोर का निधन रविवार के दिन 9 फ़रवरी, 2020 को कानपुर में उनके आवास पर हृदय गति रुकने से हुआ। वह 83 वर्ष के थे। अपने लोकप्रिय उपन्यासों जैसे 'ढाई घर' और पहला गिरमिटिया आदि के लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।

186% या 20-30%, कितनी बढ़ेगी कर्मचारियों की सैलरी, क्यों है इसमें कंफ्यूजन?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने पिछले महीने 8वें वेतन आयोग को मंजूरी देने का एलान किया था। तभी से अटकलें लगाई जा रही हैं कि 8वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर क्या होगा और केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी में कितना इजाफा होगा। कुछ एक्सपर्ट का कहना है कि न्यूनतम मूल वेतन में 108-186 फीसदी तक की वृद्धि होगी। वहीं, पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने एक इंटरव्यू में दावा किया था कि यह बढ़ोतरी 20 से अधिकतम 30 फीसदी तक सीमित रहेगी।

इससे देश के 1 करोड़ से अधिक केंद्रीय कर्मचारी और पेंशनभोगी उलझन में पड़ गए हैं कि आखिर सैलरी में कुल कितना इजाफा होगा। आइए समझते हैं कि असल में सैलरी कितनी बढ़ सकती है।

क्या है 8वां वेतन आयोग- केंद्रीय कर्मचारी फिलहाल 7वें वेतन आयोग के तहत वेतन पा रहे हैं, जो 2016 से लागू है। हर वेतन आयोग में कर्मचारियों की सैलरी और पेंशन को महंगाई के अनुसार संशोधित किया जाता है। ऐसे में 8वें वेतन आयोग से सरकारी कर्मचारी सैलरी में भारी बढ़ोतरी की उम्मीद कर रहे हैं।

8वें वेतन आयोग का फिटमेंट फैक्टर- पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने एक इंटरव्यू में बताया कि सरकार 8वें वेतन आयोग में 1.92 से 2.08 के बीच फिटमेंट फैक्टर को मंजूरी दे सकती है। हालांकि, NC-JCM (नेशनल काउंसिल - जॉइंट कंसल्टेटिव मशीनरी) के सचिव शिव गोपाल मिश्रा का मानना है कि यह फिटमेंट फैक्टर 2.86 होना चाहिए। फिटमेंट फैक्टर एक गुणांक होता है, जिससे पता चलता है कि न्यूनतम मूल वेतन में कितने गुना अधिक इजाफा होगा।

8वें वेतन आयोग के फायदे- कर्मचारियों की सैलरी और पेंशन में बढ़ोतरी होगी।

बढ़ी हुई सैलरी से खर्च करने की क्षमता बढ़ेगी।

खरीदारी बढ़ने से अर्थव्यवस्था को भी फायदा होगा।

8वें वेतन आयोग से चुनौतियां- सरकारी खजाने पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा।

सैलरी बढ़ने का महंगाई पर असर पड़ सकता है।

निजी क्षेत्र में सैलरी अंतर बढ़ सकता है।

बोर्ड मीटिंग से पहले 1 वाले शेयर ने लगाई दौड़, निवेशकों में खरीदने की मची है होड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते शुक्रवार को शेयर बाजार की बिकवाली के बीच कुछ पेनी शेयर भारी डिमांड में थे। ऐसा ही एक पेनी शेयर सुपीरियर फिनलीज है। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन इस शेयर को खरीदने की लूट सी मच गई। गुरुवार को यह शेयर 1.56 रुपये पर बंद हुआ था। वहीं, शुक्रवार को शेयर 12 फीसदी से ज्यादा चढ़कर 1.80 रुपये पर पहुंच गया। इस शेयर की क्लोजिंग 11.54% की बढ़ोतरी के साथ 1.74 रुपये पर हुई। 26 फरवरी 2024 को शेयर की कीमत 2.05 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। पिछले साल मई महीने में शेयर 1.12 रुपये पर था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। हाल ही में सुपीरियर फिनलीज लिमिटेड ने बीएसई को सूचित किया है कि कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक 11/02/2025 को निर्धारित है। कंपनी ने कहा- आपको सूचित किया जाता है कि कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक मंगलवार, 11 फरवरी 2025 को दोपहर 2:30 बजे आयोजित होने वाली है। कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में होने वाली इस बैठक में अन्य बातों के अलावा 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त तिमाही के नतीजे पर मंजूरी दी जाएगी। सुपीरियर फिनलीज लिमिटेड के शेयरहोल्डिंग पैटर्न की बात करें तो प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 3.06 फीसदी की है। पब्लिक शेयरहोल्डर के पास 96.94 फीसदी हिस्सेदारी है।

बंपर प्रॉफिट के बाद अब 8000 करोड़ का ऑर्डर, इस कंपनी के शेयर पर रहेगी नजर

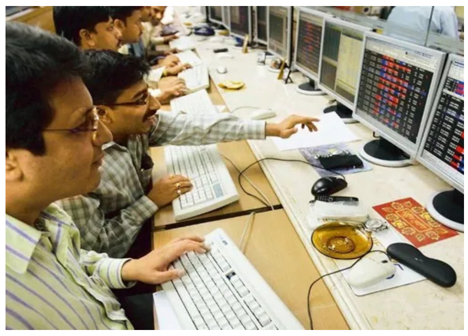

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी स्वामित्व वाली इंजीनियरिंग कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने शनिवार को कहा कि उसे महाराष्ट्र राज्य बिजली उत्पादन कंपनी लिमिटेड (महाजेनको) से 8,000 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि यह ठेका कोराडी तापीय बिजली केंद्र के बीटीजी (बॉयलर टरबाइन जनरेटर) पैकेज के लिए है। इसमें उपकरणों की आपूर्ति, निर्माण और सिविल कार्य शामिल हैं। इस बिजली केंद्र की क्षमता 1320 मेगावाट है।

बीएचईएल को महाराष्ट्र के नागपुर जिले में कोराडी तापीय बिजली केंद्र के बीटीजी पैकेज के लिए सात फरवरी, 2025 को महाजेनको से लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) मिला। ठेका एलओए की तारीख से 52-58 महीने में पूरा होने की उम्मीद है।

कैसे रहे तिमाही नतीजे- चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में बीएचईएल का नेट प्रॉफिट दोगुने से ज्यादा होकर 134.70 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने बताया कि उसकी आमदनी में वृद्धि के कारण उसका मुनाफा बढ़ा है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 60.13 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी की कुल आमदनी तिमाही में 7,385 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 5,599.63 करोड़ रुपये रही थी।बीएचईएल के शेयर की बात करें तो शुक्रवार को 1.19% गिरकर 202.41 पर बंद हुए। साल 2025 में अब तक शेयर 13% चढ़ चुका है जबकि 12 महीने की अवधि में शेयर ने शेयरधारकों को 12% निगेटिव रिटर्न दिया है। CLSA ने बीएचईएल पर कम% रेटिंग के साथ अपने लक्ष्य में कटौती की है, जबकि मॉर्गन स्टेनली ने ओवरवेट रुख के साथ 352 का टारगेट प्राइस रखा है।

मिडिल क्लास को अप्रैल में मिलेंगे कई बड़े तोहफे, पैसे की होगी बचत, समझें कैसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी एक अप्रैल से नए वित्त वर्ष की शुरुआत होने वाली है। इस नए वित्त वर्ष में मिडिल क्लास के लोगों को कई बड़े तोहफे मिलेंगे। ये हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि आम बजट में किए गए ऐलान को नए वित्त वर्ष में लागू किया जाएगा। बता दें कि पिछले एक फरवरी को आम बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मिडिल क्लास के हित में कई फैसले लिए।

टैक्सपेयर्स को खुशखबरी देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि नई कर व्यवस्था के तहत 12 लाख रुपये तक की आय (यानी पूंजीगत लाभ जैसी विशेष दर आय को छोड़कर एक लाख रुपये की औसत आय) पर कोई आयकर देय नहीं होगा। इसके साथ ही 75,000 रुपये की स्टैंडर्ड डिडक्शन के कारण वेतनभोगी आयकरदाताओं के लिए सीमा 12.75 लाख रुपये की होगी। स्लैब दरों में कटौती के कारण मिलने वाले लाभों के अलावा टैक्स में छूट इस ढंग से प्रदान की जा रही है कि उनके द्वारा टैक्स का कोई भुगतान नहीं किया जाएगा। यह मध्यम वर्ग के लिए व्यापक रूप से टैक्स के बोझ को कम करेगी और उनके हाथों में ज्यादा पैसे उपलब्ध कराएगी, जिससे घरेलू उपभोग, बचत और निवेश को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

कितनी घटेगी आपके होम लोन की EMI, कितना होगा फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में जनता को कई तोहफे दिए। अब RBI गवर्नर संजय मल्होत्रा ने भी एक बड़ी खुशखबरी दी है। केंद्रीय बैंक ने फरवरी की MPC मीटिंग में रेपो रेट में 0.25 फीसदी (25 बेसिस प्वाइंट) की कटौती का एलान किया है। आरबीआई वित्त मंत्री ने पांच साल बाद नीतिगत ब्याज दरों में कटौती की है। इससे होम और कार लोन लेना सस्ता हो जाएगा। आपकी मौजूदा EMI भी कम हो सकती है।

रेपो रेट वह ब्याज दर होती है, जिस पर बैंकों को आरबीआई से उधार मिलता है। इसका मतलब है कि रेपो रेट घटने से बैंकों के लिए कर्ज लेना आसान हो जाएगा। इससे वे अपने ग्राहकों को भी कम ब्याज दर पर लोन दे सकते हैं। इसका फायदा लोन लेने वाले नए ग्राहकों को होता है। उनकी EMI या फिर लोन की अवधि कम हो जाती है। वहीं, अगर किसी ने फिक्स्ड की फ्लोटिंग इंटरेस्ट रेट पर कर्ज लिया है, तो उसकी EMI भी कम हो जाएगी।

रेपो रेट कटौती के बाद फ्लोटिंग इंटरेस्ट रेट पर होम लोन लेने वाले ग्राहकों के पास दो विकल्प होते हैं। वे या तो अपनी EMI कम करा सकते हैं या फिर लोन का टेन्योर कम। अगर EMI कम कराते हैं, तो इससे मासिक बजट पर बोझ हल्का होगा। आपके पास हर महीने कुछ अतिरिक्त पैसे बचेंगे। वहीं, टेन्योर कम कराने से लोन जल्दी खत्म होगा। इससे लोन जल्दी खत्म होगा और ब्याज पर बचत होगी। यह उन लोगों के लिए अच्छा विकल्प होता है, जो अपना कर्ज जल्दी खत्म कराना चाहते हैं।

यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपने कितना लोन लिया है और कितने लंबे वक्त के लिए लिया है। अब मान लीजिए कि आपने 30 लाख रुपये का लोन 20 साल के लिए 8.75 फीसदी की ब्याज दर पर लिया है। इस पर आपकी EMI 26,511 रुपये बनेगी और आपको कुल 33,62,717 रुपये चुकाने होंगे।

लेकिन, अगर आपका बैंक आरबीआई के रेट कट के बाद ब्याज दर 0.25 फीसदी कम देता है, तो आपको ब्याज 8.5 फीसदी हो जाएगी। फिर आपको 26,035 रुपये की EMI ही देनी पड़ेगी। इसका मतलब आपको हर महीने सीधे 476 रुपये का लाभ होगा। आप कुल 32,48,327 रुपये ही जमा करने होंगे।

तूफान बना अनिल अंबानी की कंपनी का शेयर, 2 से कम कीमत, अब मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते शुक्रवार को बाजार में बिकवाली के बीच कुछ पेनी शेयर रॉकेट की रफ्तार से बढ़ते नजर आए। इनमें से एक शेयर रिलायंस कम्युनिकेशंस है। इस कंपनी के शेयर में तूफानी तेजी देखी गई। यह तेजी ऐसे समय में आई जब कंपनी को बंबई उच्च न्यायालय से राहत मिली है। बंबई उच्च न्यायालय ने केनरा बैंक के उस आदेश पर रोक लगा दी जिसमें उद्योगपति अनिल अंबानी के लोन अकाउंट को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत किया गया था। यह अकाउंट अंबानी की कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस से संबंधित है जो दिवालियेपन की कार्यवाही का सामना कर रही है। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते-डेरे और न्यायमूर्ति नीला गोखले की पीठ ने बैंक के आठ नवंबर, 2024 के आदेश के खिलाफ अंबानी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान यह फैसला सुनाया। अंबानी ने आदेश को चुनौती देते हुए कहा कि केनरा बैंक ने उनके लोन अकाउंट को धोखाधड़ी घोषित करने से पहले उनका पक्ष नहीं सुना।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

रतलाम जिले में ट्रक में घुसी कार... महिला आरक्षक और पति की मौत, दो बच्चे घायल

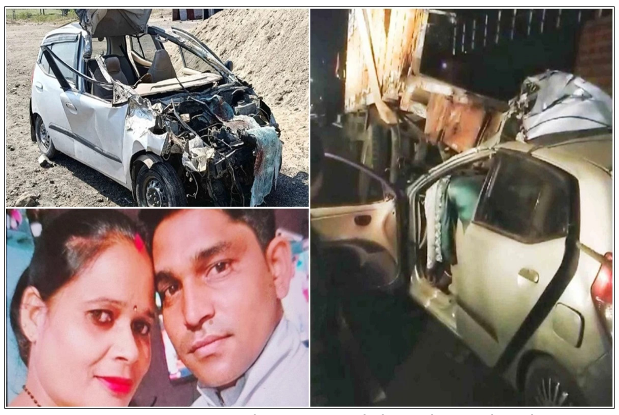

रतलाम । जावरा-लेबड़ फोरलेन पर एक कार खड़े ट्रक के पिछले हिस्से में घुस गई। भीषण हादसे में कार में सवार दंपती की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, वहीं उनके दो बच्चे घायल हो गए। ट्रक को जेसीबी से उठाकर कार को बाहर निकाला गया।

जानकारी के अनुसार गामड़ परिवार की कार (एमपी-12/सीए-0748) बदनावर की ओर से रतलाम आ रही थी। सिमलावदा के पास झाबरापाड़ा में फोरलेन के बीच में खड़े ट्रक (एचआर-67/9986) में शनिवार तड़के करीब चार बजे कार पीछे से घुस गई।दोनों बच्चे कार में पीछे की सीट पर बैठे थे हादसे में रतलाम के माणकचौक थाना में पदस्थ 32 वर्षीय महिला आरक्षक झन्ना गामड़ व उनके पति 32 वर्षीय अरविंद पुत्र बालू की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। गामड़ दंपती के साथ उनके दो बच्चे सात वर्षीय बालिका पीरल व चार वर्षीय बालक श्रेयांश कार में पीछे की सीट पर बैठे थे।हादसे में दोनों बच्चों को भी चोटें आई है। जानकारी मिलने पर सातरुंडा चौकी व बिलपांक थाने से पुलिस बल मौके पर पहुंचा। दोनों मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कालेज रतलाम भिजवाए गए।

क्रेन की सहायता से निकाले शव

फोरलेन पर हुए हादसे के बाद कार फोरलेन निर्माण कंपनी के खड़े ट्रक के पिछले हिस्से में बुरी तरह घुस गई थी। जिसे निकालने के लिए सातरुंडा व बिलपांक पुलिस को क्रेन बुलवाना पड़ी। क्रेन की सहायता से ट्रक को उठाया गया।

इसके बाद ग्रामीणों की सहायता से कार को रस्सी की मदद से पीछे खींचकर मृतकों के शव और घायल बच्चों को बाहर निकाला गया। घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ लग गई। सातरुंडा चौकी प्रभारी रामसिंह खपेड़, प्रधान आरक्षक जितेंद्र बारिया, आरक्षक मनु हारी, डायल 100 व बिलपांक थाने से पुलिस बल मौके पर पहुंचा।लापरवाही से आए दिन हो रहे हादसे जावरा-लेबड़ पर फोरलेन पर वर्तमान में रोड निर्माण व अन्य मरम्मत के काम किए जा रहे हैं। इसके चलते आए दिन हादसे हो रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बदनावर से रतलाम की ओर सिमलावदा के झाबरापाड़ा के सामने कंपनी का ट्रक बिना किसी संकेतक के ही बीच सड़क में खड़ा था और ट्रक का पीछे का डाला भी खुला था।

डिवाइडर भी नहीं रखे गए थे

इससे आने वाले वाहनो को आगे काम चल रहा है, यह पता भी नहीं चल रहा था। ट्रक के आसपास किसी प्रकार के डिवाइडर भी नहीं रखे गए थे। फोरलेन निर्माण कंपनी के कर्मचारी आए दिन डिवाइडर रखकर काम शुरू कर देते हैं। कई बार काम नहीं होने पर भी ये डिवाइडर पड़े रहते हैं। इससे फोरलेन पर वाहनों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ता है।

वाहनों को वन वे से निकाला जाता है

एक ही रोड को काम के नाम पर कई बार बंद कर दिया जाता है। रात में भी काम बंद होने व काम शुरू करने के एक दिन पहले से ही डिवाइडर लगाकर वन वे कर दिया जाता है। रात में भी वाहनों को वन वे से ही निकाला जाता है। इसके कारण भी कई बार हादसे हुए हैं।

प्रयागराज जाने वाले वाहनों को रीवा और कटनी में फिर से रोक-रोककर आगे भेजा जा रहा

रीवा । महाकुंभ को लेकर एक बार फिर उत्तर प्रदेश वह मध्य प्रदेश के सीमा चाकघाट पर वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाई गई है। कल सुबह से जहां धीमी गज से वाहनों को रवाना किया जा रहा था वही सुबह 9 बजे तक वाहनों के पहिए थम गए हैं।

इसके कारण तकरीबन 5 किलोमीटर का लंबा जाम अब तक लग चुका है। श्रद्धालुओं तथा महाकुंभ में जाने वाले लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत ना हो इसके लिए जिला प्रशासन एक बार फिर जिले के चार स्थानों पर मिशन हाईवे 39 पर आने वाले वाहनों को रोकने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने कहा है कि श्रद्धालुओं को जलपान एवं भोजन की व्यवस्था भी की जा रही है। श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की दिक्कत ना हो इसके लिए उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला डीआईजी साकेत पांडे से बात की है।

इधर... कटनी में भी पुलिस तैनातप्रयागराज कुंभ जाने वाले वाहनों की संख्या बढ़ने और मैहर, सतना तक लगे जाम के बाद अब कटनी बायपास में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। यहां पर कुठला थाना प्रभारी राजेन्द्र मिश्रा, यातायात थाना प्रभारी राहुल पांडेय सहित लाइन से निरीक्षक अभिषेक चौबे, सुदेश समन और पुलिस बल को तैनात किया है।यहां पर पुलिस वाहनों को रोक रोककर आगे बढ़ रही है। जिसके कारण वाहन रोकते ही दो से तीन किमी तक का जाम लग रहा है और जैसे ही अमदरा के पास टोल नाके से वाहन आगे बढ़ रहे, उसके बाद यहां से सीमित संख्या में वाहन छोड़े जा रहे हैं।

पांच साल पहले गुजरा था टिड्डियों का दल, अब उसके अध्ययन के लिए आए विज्ञानी

ग्वालियर। देश में पाकिस्तानी व ईरानी टिड्डियों के आक्रमण पर विज्ञानी अध्ययन कर रहे हैं। पांच साल पहले जिन राज्यों में टिड्डियों ने हमला कर फसलों को चट कर दिया था, उन क्षेत्रों में यूनिवर्सिटी आफ कोलकाता के विज्ञानियों की एक टीम आकलन कर रही है। इस अध्ययन का उद्देश्य टिड्डियों के संभावित हमले वाले क्षेत्र में समय रहते अलर्ट जारी करना और उपाय की सलाह देना है। साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (एसईआरबी) भारत सरकार यह अध्ययन करा रहा है। यह टीम गुजरात से ग्वालियर आ चुकी है।यहां की मिट्टी, मौसम व फसलों से लेकर रिहायशी क्षेत्रों का अध्ययन कर रही है। टिड्डियों के सैंपल भी लिए गए हैं। यह टीम यहां से यूपी, पंजाब व हरियाणा के बाद राजस्थान पहुंचेगी। यूनिवर्सिटी ऑफ कोलकाता के असिस्टेंट प्रोफेसर एसके मफिजुल हक ने बताया कि उनकी टीम अलग अलग राज्यों में जाएगी। जिससे ईरान-पाकिस्तान की ओर से आने वाले टिड्डी दल के साईक्लोन पाथ को ट्रैक कर भविष्य में सतर्क रहने के इंतजाम पर कार्य करेगी।प्रो मफिजुल ने बताया कि इस साल देश में पाकिस्तानी टिड्डियों के हमले की आशंका है। इसी कारण इतने बड़े पैमाने पर अध्ययन किया जा रहा है। मार्च तक यह अध्ययन पूरा कर लिया जाएगा।आमतौर पर मानसून के वक्त भारत में आकर पाकिस्तानी व ईरानी टिड्डियां ब्रीडिंग के बाद अक्टूबर तक वापस लौट जाती हैं, लेकिन 2019 में देर तक चले मानसून के कारण टिड्डियों का आतंक राजस्थान, गुजरात और पंजाब के इलाकों में जनवरी तक देखा गया था।

स्टूडेट्स को नई सुविधा, अब बीयू ई-मेल पर देगा डिजिटल डिग्री और मार्कशीट

भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) ने विद्यार्थियों के प्रथम से तृतीय वर्ष के परीक्षा फार्म जमा कराना शुरू कर दिया है। इसमें विद्यार्थियों को अपना मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी देना अनिवार्य किया गया है। बीयू विद्यार्थियों द्वारा दिए गए ई-मेल आईडी पर डिग्री और अंकसूची भेजने की व्यवस्था कर रहा है।मोबाइल नंबर से विद्यार्थियों से संपर्क कर उन्हें बीयू की गतिविधियों से परिचित कराया जाएगा और उन्हें डिग्री ई-मेल पर भेजने की सूचना एसएमएस के माध्यम से भेजी जाएगी।

समय पर डिग्री नहीं मिलने पर कई बार नौकरी के लिए दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया से बाहर हो जाते हैं। इसके अलावा रिजल्ट जारी होने के बाद विद्यार्थियों को अपनी अंकसूची के लिए भटकना पड़ता है।अब रिजल्ट जारी होने के बाद विद्यार्थियों के ई-मेल पर अंकूसूची पहुंच जाएगी।यही नहीं अंतिम वर्ष में सफल होने के बाद विद्यार्थियों को डिग्री लेने के लिए आवेदन भी नहीं करना होगा।

इसके लिए उन्हें कोई शुल्क भी नहीं देना होगा। उनके द्वारा परीक्षा फार्म में दिए गए ई-मेल पर विवि की डिजिटल डिग्री भेज दी जाएगी।

परीक्षा फार्म में लिए गए मोबाइल नंबर पर विद्यार्थियों को एसएमएस भेजा जाएगा कि उसके ई-मेल पर डिग्री भेज दी गई है।

कागज की खपत होगी कम अंकसूची और डिग्री के प्रकाशन में बीयू को करोड़ों रुपये का कागज खरीदकर उनका प्रकाशन करना होता है। ई-मेल पर डिग्री और मार्कशीट का आवंटन होने से कागज की खपत बहुत कम हो जाएगी।विद्यार्थियों द्वारा दिए गए ई-मेल और मोबाइल नंबर के लिए नैक के लिए सुरक्षित रखा जाएगा। इस दौरान नैक की टीम उनसे संपर्क कर फीडबैक भी ले जाएगी।

प्रदेश में टाउनशिप विकास के सरल होंगे नियम

भोपाल। मध्य प्रदेश में शहरों के आसपास किसान, किसानों के समूह या निजी व्यक्ति लैंड पुलिंग करके टाउनशिप बना सकेंगे यानी यदि उनके पास एकीकृत टाउनशिप बनाने के लिए आवश्यक भूमि नहीं है तो वे आसपास के किसान या निजी भूमि को मिलाकर परियोजना बनाएंगे। इसके लिए भूमि दिलाने के लिए डेवलपर या विकासकर्ता विकास प्राधिकरण या अन्य एजेंसियों से अनुरोध कर सकेंगे। वह आपसी सहमति के आधार पर भूमि दिलाने में भूमिका निभाएगी। यदि परियोजना क्षेत्र में सरकारी भूमि आती है तो अधिकतम आठ हेक्टेयर सीमा की छूट दी जा सकेगी।इसके लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने एकीकृत टाउनशिप नीति तैयार की है। इसमें लैंड पुलिंग का प्रावधान रखा गया है। नियम सरल बनाए गए हैं। यह प्रावधान विकास प्राधिकरण सहित अन्य हाउसिंग प्रोजेक्ट करने वाली एजेंसियों के लिए भी लागू होंगे। प्रस्तावित नीति पर अंतिम निर्णय 11 फरवरी को प्रस्तावित कैबिनेट बैठक में होगा।अभी कॉलोनाइजर नियम में कॉलोनी बनाने के लिए न्यूनतम क्षेत्र की कोई आवश्यकता नहीं है इसलिए शहरों में छोटे-छोटे समूहों में कॉलोनियों का निर्माण हो रहा है, लेकिन इसमें सुविधाओं का विकास नहीं हो पाता है।

पुलिस थानों का जिला, संभाग और राज्य स्तरीय ग्रेडेशन करें, अच्छा काम करने वालों को करें पुरस्कृत : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पुलिस की सेवा जीवन भर जवान रखने वाली सेवा है। पुलिस के सामने सदैव चुनौतियां रहती हैं, मुझे प्रसन्नता है कि म.प्र. पुलिस अपनी सभी चुनौतियों से जूझकर सफलता के नए आयाम तय कर रही है। बड़ी बात है कि हमारी पुलिस 24 घंटे सेवा में तत्पर रहकर प्रदेश और समाज की सुरक्षा में कार्यरत है। उन्होंने कहा कि हमें आंतरिक एकात्मकता को और अधिक उभारने की जरूरत है। इस संदर्भ में सर्विस मीट बेहद लाभकारी और प्रासंगिक है। इस तरह के सेवा समागम से अधिकारियों को एक दूसरे के अनुभव सुनने, साझा करने और उन पर अमल करने की प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में भारतीय पुलिस सेवा समागम (आईपीएस मीट) का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस महानिदेशक से कहा कि वे कार्य प्रदर्शन के आधार पर प्रदेश के थानों की जिला, संभाग एवं राज्य स्तर पर ग्रेडेशन करें और अच्छा काम करने वाले पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत भी करें। इससे जनता के बीच प्रदेश और पुलिस की साख बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज हमारी पुलिस सबकी आशा का केंद्र बनती जा रही है। हम सभी को जीवन के अच्छे गुणों का विकास कर पुलिस को उनके काम में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज हम जिस अपराध मुक्त, भय मुक्त और सकारात्मक माहौल में जी रहे हैं। यह सब पुलिस की सेवा समर्पण अनुशासन और उनकी कर्मठता से ही संभव है। सरकार पुलिस बल के आधुनिकीकरण के प्रति बेहद संवेदनशील होकर कार्य कर रही है। आईपीएस सर्विस मीट सिर्फ एक समागम न होकर एक प्रशिक्षण कार्यशाला के रूप में ली जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि परमात्मा ने हमें सेवा का अवसर दिया है, तो इसे ईश्वर का आशीष मानकर हमें अपनी क्षमताओं का शत-प्रतिशत उपयोग समाज की भलाई, सेवा, सुरक्षा और समाज को एक सुसंस्कृत समाज बनाने की दिशा में करना चाहिए, यही कर्म साधना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब सारी सीमाएं बंद हो जाती हैं, तभी कोई व्यक्ति पुलिस के पास जाता है। इस संदर्भ में पुलिस उम्मीद की अंतिम किरण होती है। पुलिस को जनता की यह विश्वास बहाली हमेशा बनाए रखना चाहिए। एक दूसरे से संवाद, समागम, शिक्षण-प्रशिक्षण के जरिए अपनी योग्यताओं को और बेहतर बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सर्विस मीट सिर्फ मीट ना होकर, आपकी सोच का मीत मिलने की जगह बननी चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस बल के प्रोत्साहन के लिए प्रदेश के थानों में अच्छा काम करने वाले पुलिस अधिकारी व कर्मचारी को भी पुरस्कृत करने की परंपरा प्रारंभ की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने पुलिस बल की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना सरकार की प्राथमिकता है और इसमें पुलिस की भूमिका सबसे अहम है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को समाज में सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करने के लिए सदैव तत्पर रहने की प्रेरणा दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पुलिस बल को सर्व-संसाधनयुक्त कर अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। टीकमगढ़ जिले के बम्होरीकलां थाने को केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा सर्वश्रेष्ठ थानों की सूची में चिन्हित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ और थाना प्रभारी बम्होरीकलां सुश्री रश्मि जैन को इसके लिए सम्मानित किया।

जनता की सुरक्षा के लिए पुलिस सदैव तत्पर - डीजीपी श्री मकवाना- पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना ने कहा कि जनता की सुरक्षा के लिए पुलिस सदैव तत्पर है। हमने नये आपराधिक कानून का बेहतरीन क्रियान्वयन किया है। इस मामले में मध्यप्रदेश पुलिस को केंद्रीय गृहमंत्री और केंद्रीय गृह सचिव से भी सराहना मिली है। हम पुलिस बल के आधुनिकीकरण और उनके प्रशिक्षण पर विशेष जोर दे रहे हैं। हमारी पुलिस ने अतीत में बेहतरीन काम किए हैं। पुलिस ने समाज के साथ साझा प्रयासों से प्रदेश से डकैत समस्या का उन्मूलन किया है। नक्सल समस्या के उन्मूलन के तरफ भी हम तेजी से बढ़ रहे हैं। हमारी चुनौतियां बढ़ रही हैं, साइबर क्राइम, साइबर फ्रॉड, नशा मुक्ति और यातायात सुरक्षा हमारे लिए बड़ी चुनौतियां हैं। इस दिशा में हम तेजी से कार्य कर रहे हैं। बीते माहों में हमने पूरे प्रदेश में साइबर सुरक्षा और साइबर फ्रॉड से बचने के लिए अभियान चलाया। अब तक 10 लाख से अधिक स्टूडेंट और इतने ही नागरिकों को साइबर सुरक्षा के लिए जागरूक किया है। इस काम में हमें अभूतपूर्व सफलता मिली है। आईपीएस एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री रवि कुमार गुप्ता ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि सबके कल्याण की चिंता करने वाले मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज हमारे बीच है। हमारी पुलिस प्रदेश के हर व्यक्ति की सुरक्षा में तत्पर है।

शहर में यातायात सुधार की मुहिम को और अधिक गति देकर प्रभावी बनाया जाएगा - कलेक्टर आशीष सिंह

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में इंदौर में यातायात सुधार संबंधी मुहिम लगातार चलाई जा रही है। इस मुहिम को और अधिक गति देकर प्रभावी बनाया जाएगा। अभियान को गति देने के संबंध में चर्चा के लिए आज एआईसीटीएसएल कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, अपर आयुक्त श्री रोहित सिसोनिया तथा श्री अभिलाष मिश्रा सहित अपर कलेक्टर ज्योति शर्मा एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा कि शहर में जिला प्रशासन, नगर निगम एवं यातायात पुलिस द्वारा यातायात सुधार के लिए संयुक्त मुहिम चलाई जा रही है। यह मुहिम लगातार जारी रहेगी। इसे गति देकर और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यातायात महत्वपूर्ण विषय है और यह हमारी प्राथमिकता है। यातायात पुलिस, नगर निगम और जिला प्रशासन के अधिकारियों को यह कार्य जिम्मेदारी के साथ करना है ताकि यातायात सुगम रहे और आम नागरिकों को परेशान भी नहीं होना पड़े। यह मुहिम हर जोन में जारी रहेगी और इस अभियान में नगर निगम, पुलिस प्रशासन और होमगार्ड के जवान भी साथ में रहेंगे, ताकि कार्रवाई के दौरान किसी भी स्थिति से निपटा जा सके। कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे जिस क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने के लिए जा रहे है वहां पर एक दिन पहले नागरिकों और दुकानदारों से चर्चा कर उन्हें जानकारी दी जाए।

शहर में कई ऐसे बाजार है जहां दुकानदारों ने अपनी दुकान का सामान बाहर रखकर अतिक्रमण कर रखा है, जिसमें वाहन, कपड़े, फर्नीचर, डमी आदि शामिल है। दुकानदारों द्वारा किये जा रहे इस अतिक्रमण से सड़कों पर बार-बार यातायात बाधित होता है और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि शहर में कई ऐसे चौराहे है जहां अवैध रूप से वाहनों की पार्किंग के कारण बार-बार ट्राफिक जाम की स्थिति बनती है। इन चौराहों पर यातायात पुलिस द्वारा ऐसे वाहन चालकों को कई बार समझाइश भी दी गई। इसके बावजूद वे यातायात नियमों का पालन नहीं करते है। यातायात बाधित करने वाले ऐसे वाहन चालकों के विरूद्ध कार्रवाई की जाए। रोबोट चौराहे पर भी अवैध बसों की पार्किंग से दिन में कई बार यातायात बाधित होता है, यहां भी यातायात सुगम किया जाए। जवाहर मार्ग क्षेत्र में भी दुकानदारों के अवैध पार्किंग से यातायात बाधित होता है, इस क्षेत्र में भी आवश्यक कार्रवाई की जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि सभी विभाग समन्वय के साथ यातायात सुधार की मुहिम को तेज करें ताकि सड़कों पर बार-बार जाम की स्थिति पैदा नहीं हो।

कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वर्षा के दिनों में पलासिया चौराहा, रीगल तिराहा आदि क्षेत्रों में बार-बार जल जमाव की स्थिति बनती है जिसके कारण बार-बार यातायात बाधित होता है। अतः बारिश में ऐसी स्थिति नहीं बने इसके लिए अधिकारियों को अभी से अपना कार्य योजनाबद्ध तरीके से शुरू कर देना चाहिए।

कलेक्टर द्वारा अंधत्व निवारण कार्यक्रम की समीक्षा की गयी

झाबुआ। कलेक्टर नेहा मीना द्वारा जिले में अंधत्व निवारण कार्यक्रम की स्थिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जानकारी से अवगत कराया गया कि जिले का वार्षिक लक्ष्य 4500 था जिसमें से 90 त मोतियाबिन्द ऑपरेशन किये जा चुके है। शेष लगभग 1128 मोतियाबिन्द ऑपरेशन किये जाने है। जिले में 149 स्कूलो में 35000 से अधिक छात्र-छात्राओं के आंखों की जाँच कर लगभग 1792 चश्मे वितरित किये जा चुके हैं। कलेक्टर नेहा मीना ने शेष 1128 मोतियाबिन्द ऑपरेशन कराये जाने हेतु जिला अस्पताल एवं जीवन ज्योति अस्पताल मेघनगर के मध्य समन्वय कर ऑपरेशन हेतु ब्लॉकवार मैपिंग कर, कैलेण्डर बनाकर, मरीजो के मोबलाइजेशन किये जाने हेतु निर्देशित किया।

इसी के साथ समस्त बीएमओ से सम्बन्धित ब्लॉक के मरीजो के मैपिंग और मोबलाइजेशन हेतु सीएचओ और ग्राम पंचायत सचिव के मध्य समन्वय कर लक्ष्यपूर्ति किये जाने हेतु निर्देशित किया। कलेक्टर ने इसी वित्तीय वर्ष में लक्ष्य पूर्ण करने हेतु प्रतिदिन के अनुसार नेत्र रोग विशेषज्ञ के द्वारा सर्जरी किये जाने हेतु प्रतिदिन का शेड्यूल बनाकर मरीजों को पूर्व से ही सूचित किया जाए जिससे समयानुसार लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी एस बघेल, डॉ निसार पठान, बीएमओ उपस्थित रहे एवं गूगल मीट के माध्यम से जीवन ज्योति अस्पताल से संबंधित डॉक्टर जुड़े।

भीड़ से दूर नर्मदा नदी पर बना नवड़ा तावड़ी घाट है नया टूरिस्ट डेस्टिनेशन

इंदौर। महेश्वर के किले से नर्मदा नदी के विराट रूप का आनंद तो इंदौर के सैलानियों ने कई बार लिया पर इस आनंद में थोड़ा और भी इजाफा करने की ख्वाहिश है, नजारों को देखने के लिए नजरिया बदलने की जरूरत है। सुकून भरे पलों की स्मृतियों को और भी सहेजने के लिए स्थान बदलने की जरूरत है तो आपको एक ऐसे स्थान का पता बताते हैं जिसे देखकर भी आप अनदेखा कर देते हैं। जिसके बारे में जानने की इच्छा ही नहीं रखते। यह स्थान है नर्मदा नदी के किनारे बना नवड़ा तावड़ी घाट। हर बार सैर-सपाटे के शौकीन इसी जुगत में रहते हैं कि कौन से नए स्थान की सैर की जाए। अपनों के साथ सुकून भरे पल बिताने की ख्वाहिश रखने वाले भी ऐसे ही स्थान की तलाश में रहते हैं जो भीड़ से दूर हो। मन ताजगी से भर जाए

रील बनाने और फोटोग्राफी करने के शौकीन भी ऐसा स्थान तलाशते हैं जहां से कैमरे की नजर से कैद किए गए दृश्य को देख दर्शक 'वाओ' कह उठें। यही नहीं रोमांच का आनंद लेने वाले भी ऐसे नए-नए स्थानों की तलाश में लगे ही रहते हैं, जहां रोम-रोम पुलकित और मन ताजगी से भर जाए।

एक दिन में ही लौट सकते हैं- इंदौर से यह स्थान इतनी ही दूर है जहां से एक दिन में ही आप लौट भी सकते हैं। इस तरह पहुंच सकते हैं यहां चलिए इस सप्ताह आपको एक ऐसे स्थान की सैर कराते हैं जहां अध्यात्म, इतिहास, रोमांच, शांति और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया जा सके। इस स्थान का नाम है नवड़ा तावड़ी घाट जो कि नर्मदा नदी के किनारे पर बना है। आसान शब्दों में कहा जाए तो महेश्वर के किले को छूकर बहती नर्मदा नदी के दूसरे छोर पर जो घाट नजर आता है वह यही है।

इंदौर से 100 किमी दूर - यहां तक पहुंचने के मार्ग के बारे में महू राइडर्स क्लब के प्रमुख डॉ. सौरभ मोहंती बताते हैं कि इंदौर से इस स्थान की दूरी करीब 100 किमी है। यहां जाने के लिए जामगेट से मंडलेश्वर जाने पर पुल आता है। पुल पार कर खरगोन-इंदौर हाई-वे पर जाएं। कसरावद होते हुए मुबारकबाद जाएं। मुबारकबाद से 200 मीटर दूरी यह घाट है।

स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता अभियान 13 फरवरी को

इंदौर। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग के निर्देश पर अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अवसर पर सहकारिता के महत्व के प्रति लोगों को जागरूकता लाने के लिये विभाग के तहत सभी स्तर के विभागीय कार्यालय, सहकारी संस्थाओं में 13 फरवरी को स्वभव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता अभियान के तहत स्वच्छता दिवस कार्यक्रम मनाया जायेगा। इस संबंध में आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाऐं ने परिपत्र जारी किया है।सभी शीर्ष संस्थाओं के प्रबंध संचालक, संभाग/जिला के संयुक्त/उप/सहायक आयुक्त सहकारिता और जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के नाम जारी परिपत्र में कहा गया है कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत विभाग एवं संस्थाओं में कार्यालयीन नस्तियों को व्यवस्थित करना, पुराने रिकार्ड के बस्तों में संदर्भ अंकित होना, कार्यालय में इंडेक्स रजिस्टर का संधारण जिसकी मदद से पूर्ण परिसमापन।

ऊँ हों जूं सः ऊँ भूर्भुवः स्वः ऊँ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम् उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात् ऊँ स्वः भुवः भूः ऊँ सः जूं हौं ऊँ भूतभावन श्री महाकालेश्वर महाराज सभी को आरोग्यता प्रदान करें !

तमिलनाडु ट्रांसमिशन कंपनी की एम डी सहित उच्च स्तरीय टीम ने किया एमपी ट्रांसको का दौरा

दोनों ट्रांसमिशन यूटिलिटी की बेस्ट प्रैक्टिसों के आदान-प्रदान पर हुई मंत्रणा

उज्जैन । तमिलनाडु पावर ट्रांसमिशन कंपनी की प्रबंध संचालक श्रीमती के . इंद्राणी के नेतृत्व मे तमिलनाडु ट्रांसको की उच्च स्तरीय अधिकारियों की एक टीम ने मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्यालय जबलपुर का दौरा कर एक आपसी समन्वय बैठक में हिस्सा लिया । इस उच्च स्तरीय बैठक में तमिलनाडु ट्रांसमिशन कंपनी की प्रबंध संचालक श्रीमती के इंद्राणी तथा एम पी ट्रांसको के प्रबंध संचालक इंजीनियर सुनील तिवारी सहित मुख्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया,जिसमें दोनों कंपनियों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने संस्थानों में अपनाई जा रही बेस्ट प्रैक्टिसों के बारे में चर्चा की और आपसी तालमेल के

साथ एक दूसरे की बेस्ट प्रेक्टिस पर अमल करने के लिए सैद्धांतिक सहमति व्यक्त की।

एम पी ट्रांसको का स्काडा नेटवर्क स्टडी और सिस्टम मॉनिटरिंग के लिए सटीक ㅡ एम डी श्रीमती के इंद्राणी

तमिलनाडु ट्रांसको टीम की प्रबंध संचालक श्रीमती के इंद्राणी ने स्काडा कंट्रोल सेंटर का दौरा कर उसकी कार्य प्रणाली का सूक्ष्मता से अध्ययन किया। उन्होंने कहा कि एम पी ट्रांसको का यह बेहतरीन स्काडा सेंटर नेटवर्क स्टडी और सिस्टम मॉनिटरिंग के लिए सटीक टूल है।

स्काडा कंट्रोल सेंटर जबलपुर में उपलब्ध सुविधाओं को उत्कृष्ट बताते हुए तमिलनाडु ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता ग्रिड ऑपरेशन श्री विजय ने मध्य प्रदेश की तीनों डिस्काम कंपनियों की डिमांड एक स्थान पर मॉनिटर करने की व्यवस्था को अद्भुत बताते हुए कहा कि 33 के व्ही लेवल की स्काडा से मानिटरिंग करना एक बेहद सराहनीय उपलब्धि है।टीम ने मध्य प्रदेश द्वारा अपनाई गई टी बी सी बी(टेरिफ बेस्ड काम्पटीटिव बिडिंग) और एस टी यू (स्टेट ट्रांसमिशन यूटिलिटी)की कार्य प्रणाली को भी समझा ।

सेवाधाम में ईश्वरीय कार्य हो रहा है ऐसी अनभूति होती है-अजीत सिंह

उज्जैन। मानव सेवातीर्थ अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम में अजित सिंह जीसी राष्ट्रीय सदस्य, भारत सरकार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत शासन नईदिल्ली ने आश्रम में हो रही सेवा कार्यो का अवलोकन कर बच्चों, युवाओं एवं बुजुर्गो से आत्मीय मुलाकात कर यहां निवासरत 1100 से अधिक पारिवारिक सदस्यों की सेवा को अनूठा बताया।

अजितजी ने कहा कि अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम का निरीक्षण करने का आज मुझे मौका मिला मैंने आश्रम के समस्त प्रकल्पों को देखा और ऐसी अनुभूति हुई अलग से ईश्वरीय कार्य आश्रम संस्थापक सुधीर भाई यहां पर कर रहे है, हमें लगता है कि यह कार्य समाज का है और हम सब सामाजिक लोग को एकत्रित करके हमारी सेवाएं आश्रम में देनी चाहिए, मुझे बहुत अच्छा लगा। एक अच्छा सिस्टम यहां देखने को मिला कि दिव्यांग लोगों को अपना घर ना होते हुए भी विविध कार्यों में दक्ष करके इस आश्रम से जोड़ रखा है। इस अवसर पर संस्थाध्यक्ष डॉ. ऋषि मोहन भटनागर दिल्ली, श्रीमती कांता भाभी, मोनिका दीदी एवं गोरी दीदी ने आश्रम परम्परानुसार मंगल तिलक, दुपट्टा एवं मालवी पगड़ी से सम्मान कर विशेष बच्चों द्वारा बनाई गई हस्तशिल्प भेंट की।

लॉयंस क्लब के डिस्ट्रिक गवर्नर की आधिकारिक यात्रा आज

उज्जैन। लायंस क्लब क्षिप्रा उज्जैन के अध्यक्ष लायन संदीप पांडे के नेतृत्व में लॉयंस क्लब के डिस्ट्रिक गवर्नर की आधिकारिक यात्रा होटल अथर्व एंड रिसॉर्ट में आज 9 फरवरी को रात्रि 08ः00 बजे आयोजित की जा रही है। क्लब द्वारा वर्ष भर की गई सेवा गतिविधि को क्लब सचिव पदमाकर मुले द्वारा गवर्नर को अवगत कराया जाएगा। उक्त जानकारी कार्यक्रम संयोजक विजय शाह , ज्ञानेन्द्र खण्डेलवाल, मीडिया प्रभारी लायन अश्विन चोपड़ा द्वारा संयुक्त रूप से दी गई।

जैन मुनि मलय सागर जी का पालिताणा में देवलोकगमन, आज गुणानुवाद सभा

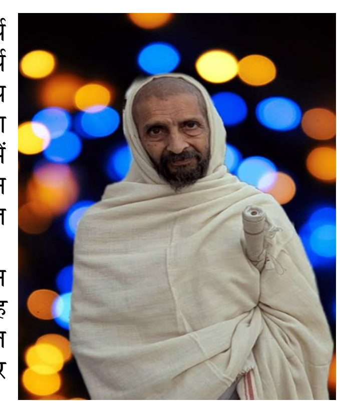

उज्जैन। पूज्य जैनाचार्य नवरत्न सागरजी के शिष्य गणीवर्य आदर्शरत्न सागरजी मसा के शिष्य रत्न मुनि मलय रत्न सागर जी मसा का गुजरात के पालीताणा तीर्थ में देवलोकगमन हो गया। वे मुनि मंडल के साथ वही आराधनारत थे।

सूचना मिलते ही उज्जैन श्वेतांबर जैन समाजजन हतप्रभ रह गए। पालीताणा में उनकी डोल यात्रा निकाली व अंतिम संस्कार किया गया।

रविवार को उन्हें आदरांजलि स्वरूप उज्जैन में गुणानुवाद सभा का आयोजन किया जायेगा।

दीक्षा लेने पूर्व मुनि मलय सागर जी खाराकुआ स्थित श्री ऋषभ देव छगनीराम पेढ़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष रहे है। कुछ समय से उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं था, अचानक उनके देवलोकगमन से जैन समाज को अपूरणीय क्षति हुई है।

पेढ़ी ट्रस्ट के जयंतीलाल जैन एवं नरेंद्र जैन दलाल के अनुसार मुनि मलय रत्न सागरजी (महेन्द्र जी सिरोलिया) का प्रभु आदिनाथ की छत्रछाया पालिताणा में काल धर्म हुआ है। सांसारिक जीवन में कई उल्लेखनीय कार्यों के साथ उन्होंने 5 वर्ष के दीक्षा पर्याय में कई उग्र विहार व कठिन तपस्या आदि की है। वे अत्यंत सरल , धार्मिक , तपस्वी , विनम्र , मृदुभाषी , परम गुरू भक्त थे। आपने दीक्षा जीवन में अपनी चुस्त जीवनचर्या , ज्ञान प्राप्ति, नियमित क्रिया , अनन्य गुरू सेवा व भक्ति से संपूर्ण जिन शासन में अपने गुरु के पद चिन्हों पर चलते हुए अनुकरणीय आदर्श स्थापित किया है।

रविवार सुबह 9:30 बजे खाराकुआँ स्थित पेढ़ी उपाश्रय में गुणानुवाद सभा का आयोजन होगा। जिसमे श्री सकल जैन श्री संघ द्वारा उनके जीवन के प्रति वंदना कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित कि जायेगी।

श्री पंच रामानन्दीय निर्मोही अखाड़े के व्यवस्थापक नियुक्त हुए संत श्री चरणदास महाराज

उज्जैन। श्री पंच रामानन्दीय निर्मोही अखाड़े के व्यवस्थापक के रूप में पांच पंचों की सहमति से संत श्री चरणदास को नियुक्त किया गया है। उक्त जानकारी पत्रकारों से चर्चा करते हुए वरिष्ठ पंच और अंकपात स्थित श्री पंच रामानन्दीय निर्मोही अखाड़े के महंत मदन मोहन दास ने दी। उन्होंने कहा कि आठ में से पांच पंचों की सहमति से व्यस्थापक संत चरणदास महाराज को नियुक्त किया गया । उन्होंने कहा कि उज्जैन में श्री पंच रामानंदीय निर्मोही अखाडे के संचालन का जिम्मा अखाड़े के अधीन पंचों की सहमति से होता है। अखाडे के पंचों को ही उज्जैन में नया व्यवस्थापक, महंत या अन्य कोई भी नियुक्ति करने का अधिकार है। इनमें से चार महंत प्रयागराज महाकुम्भ में व्यस्त थे जिनके नाम इस प्रकार है महंत रामस्वरूपदास चित्रकूट, महंत अयोध्यादास अभिरामपुर गुजरात, महंत राधेबाबा केकडी राजस्थान, महंत दिनेंद्रदास अयोध्या इस समय प्रयागराज महाकुंभ में अपनी व्यस्तता होने के कारण कल उज्जैन में आयोजित साकेतवासी महन्त श्री रामसेवक दास की श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित न हो सके, श्री पंच रामानंदीय निर्मोही अखाड़ा के भूमि स्वामी पांच पंच महंत भगवानदास, चित्रकूट, महंत नृसिंहदास, चित्रकुट, महंत मदनमोहनदास, वृंदावन और महंत रामसखा दान, चित्रकूट, महंत रामस्वरूप दास, चित्रकूट उज्जैन बैठक में उपस्थित होकर संत चरणदास को एवं अनुपस्थित पंचों को दूरभाष द्वारा सूचित कर उनकी स्वीकृति से उज्जैन बैठक का व्यवस्थापक रुप में नियुक्त किया। जिसमें निर्वाणी अखाड़े के महंत दिग्विजय दास जी महाराज दिगंबर अखाड़े के महंत रामचंद्र दास जी महाराज एवं अध्यक्ष महंत रामेश्वर दास जी महाराज, बेगमपुरा गधा पुलिया के महंत भगवानदास जी, महंत काशी दास जी महाराज, महंत मुनि शरण दास जी महाराज, महंत राघवेंद्र दास जी महाराज आदि संत महंत आदि उपस्थित थे।

नव नियुक्ति व्यवस्थापक संत श्री चरणदास जी महाराज ने कहा कि कहा वे निर्मोही अखाड़ा वृंदावन से 2003 से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि पंचों ने जो जिम्मेदारी सौंपी है उसका पूरी जिम्मेदारी से निर्वहन करने का प्रयास करूंगा। आश्रम की व्यवस्था, संतों की सेवा, ठाकुर सेवा करने का प्रयास करूंगा। आश्रम में आने वाले संतों की बेहतर व्यवस्था करने का प्रयास करूंगा। ताकि किसी भी संत को कोई परेशानी न उठाना पड़े। उन्होंने कहा कि निर्मोही अखाड़े की पांच से सात बैठकें हैं। इस अवसर पर संत राधेश्याम दास जी महाराज भी मौजूद थे।

अपने राष्ट्र, धर्म और परिवार की परंपराओं का पालन करते हुए दांपत्य के जीवन को सुखद बनाना चाहिए-मुनि श्री प्रज्ञा सागर महाराज

उज्जैन। अपने राष्ट्, धर्म और परिवार की परंपराओं का पालन करते हुए दांपत्य जीवन को सुखद बनाना चाहिए मनुष्य के पास दो रास्ते होते हैं दोनों में ही वह अपनी परंपराओं का निर्वाह करते हुए संपूर्ण जीवन को सुनिश्चित एवं परिपूर्ण कर सकता है एक तो दीक्षा लेकर साधु बनकर दूसरा विवाह कर कर दोनों ही मार्ग पर मनुष्य संपूर्ण परंपराओं का निर्वाह करता है तो अपने जीवन को अच्छी तरह से जी सकता है यही जीवन जीने की संपूर्ण कल है जो सभी पर सामान्य रूप से लागू होता है। यह बात आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज कोटा से संजय सचिन कासलीवाल एवं कासलीवाल परिवार में विवाह समारोह पर आशीर्वाद देते हुए कहा और कहा कि नव दांपत्य जीवन विश्वास की परंपराओं पर टिका होता है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com